जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 342 प्रभात कोटा, शनिवार 24 सितम्बर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कीटनाशक युक्त फूल पर बैठने के बाद मधुमक्खियां इतनी ज्यादा प्रभावित हो जाती हैं कि वे सीधी लाइन में उड़ भी नहीं पातीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि कीटनाशक मधुमक्खियों के नर्वस सिस्टम को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। नए शोध में वैज्ञानिकों ने सल्फॉक्साफ्लोर और इमिडक्लोप्रिड, जैसे कीटनाशकों के मधुमक्खियों पर प्रभाव का अध्ययन किया। युनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड में वैज्ञानिक, मुख्य शोध लेखक रेचल पार्किन्सन ने कहा कि, ''मेरे पूर्व शोध में सामने आया था कि कीटनाशकों के संपर्क में आए टिड्डे रास्ते में आने वाली वस्तुओं से टकराने से बचने के लिए ना तो जंप करते हैं ना ही अपना रास्ता बदलते हैं। क्योंकि कीटनाशकों की वजह से उनकी देखने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। मैं यह देखना चाहती थी कि क्या मधुमक्खियों पर भी ऐसा कोई प्रभाव पड़ता है? क्योंकि उड़ान को स्थिर करने व दिशाज्ञान के लिए मधुमक्खियाँ भी किसी वस्तु की चाल व गति को देख पाने की अपनी क्षमता पर निर्भर होती हैं, जो कि कीटनाशकों से प्रभावित हो जाती है। मेरा मत था कि, कीटनाशक से ''कॉलोनी कोलैप्स डिस्आर्डर'' हो सकता है। जिसके कारण कीटनाशकों के संपर्क में आई मधुमक्खियों को अपने घर वापस जाने में बहुत मुश्किल होती है। यह विकार सबसे पहले वर्ष 2000 की शुरुआत में देखा गया था जब मधुमक्खियों की आबादी में भारी कमी आई थी। कुछ मधुमक्खी पालकों ने कहा कि, उनके यहाँ मधुमक्खियों की संख्या 30-90 प्रतिशत कम हुई। रानी मक्खी और अवयस्क मधुमक्खियां तो रह गईं पर श्रमिक मधुमक्खियां लुप्त हो गई थीं और श्रमिकों के अभाव में कॉलोनियां नष्ट हो गईं। एक स्वस्थ मधुमक्खी में ''ऑप्टोमीटर रैस्पॉन्स'' क्षमता होती है, जो उसे सीधे रास्ते पर लौटने में मदद करती है। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में मधुमक्खियों को 5 दिनों तक, सुक्रोज़ में मिलाकर कई प्रकार के कीटनाशकों से एक्सपोज़ किया। उन्होंने पाया कि जिन मधुमक्खियों को कीटनाशकों से एक्सपोज़ किया गया था वे सीधी दिशा में आगे नहीं बढ़ सकीं। ये नतीजे फंट्रियर्स इन इन्सैक्ट साईन्स में छपे हैं।

गहलोत तब तक मु.मंत्री बने रहना चाहते हैं, जब तक वे कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित नहीं होते

दूसरी ओर सोनिया गांधी ने गहलोत से कहा है कि, नामांकन पर्चा भरने से पहले अपना इस्तीफा दे दें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तय कर लिया है कि वे राजी-खुशी से नहीं जायेंगे, बल्कि वे तब तक यहाँ रुके रहेंगे, जब तक वे बाकायदा कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बन जाते। और अगर चुनाव हुआ, जिसकी संभावना ज्यादा दिखाई दे रही है, तो वह अगले माह में ही होगा।

सोनिया गांधी ने गहलोत से कह दिया है कि उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने, जो अगले सप्ताह होगा, से पहले, अपना त्याग पत्र दे देना चाहिये।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि गहलोत के मन में कुछ और ही है। गहलोत के निकटस्थ एक ए.आई.सी.सी. पदाधिकारी ने कहा कि नये मुख्यमंत्री के विषय में निर्णय अगले माह के अंत तक ही होगा क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये चुनाव 17 अक्टूबर को है।

उन्होंने साफ-साफ कहा कि गहलोत तब तक इस्तीफा नहीं देंगे, जब तक वे पार्टी अध्यक्ष चुन नहीं लिये जाते। चूँकि कई अन्य लोग भी चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिये जानकार लोगों का कहना है कि ऐनवक्त पर कुछ भी संभावित हो सकता है। विशेष रूप से राजनीति में तो ऐसा होता ही है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के इशारे पर दिग्विजय सिंह भी बोले ही थे, जब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, गहलोत को इस्तीफा देना होगा। कांग्रेस नेतृत्व यह समझता है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद, अशोक गहलोत सचिन पायलट के खिलाफ अध्यक्षीय विशेषाधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। और इसलिये कांग्रेस नेतृत्व अशोक गहलोत की ओर से किसी प्रकार की खीज का जोखिम उठाना नहीं चाहता।

अशोक गहलोत एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो सोनिया गांधी को अपनी अंगुली पर नचाते रहे हैं, लेकिन इस बार उनका मुकाबला राहुल और प्रियंका गांधी से है, जिन्होंने यह निश्चय कर लिया है कि अगर कांग्रेस पार्टी को अगले विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करना है तथा सत्ता में वापस आने की अपनी उम्मीद को जीवित रखना है, तो गहलोत को राजस्थान छोड़ना ही होगा।

सत्ता में वापस आने के लिये

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- जैसा की विदित ही है, अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होगा तथा नामांकन पर्चा दाखिल करने की अंतिम तारीख तीस सितम्बर है।
- अतः सवाल यह है कि, गहलोत अपना इस्तीफा इस महीने अंत तक, तीस सितम्बर तक दे देंगे या अगले महीने अध्यक्ष पद का चुनाव हो जाने के बाद, 17 अक्टूबर के बाद देंगे।
- अब तक गहलोत, सोनिया गांधी को किसी न किसी तरह मनाकर अपने मन माफिक निर्णय करा लेते थे, पर इस बार यह संभव होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि इस बार राहुल गांधी व प्रियंका गांधी इस बारे में दृढ़ संकल्प हैं कि, गहलोत के मु.मंत्री रहते हुए, अगर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए तो, कांग्रेस की सत्ता में आने की कोई आशा भी नहीं रहेगी, अतः किसी युवा नेतृत्व की कप्तानी में विधानसभा चुनाव लड़ना पार्टी के हित में है।

प्रणय सुप्रीम कोर्ट की शरण में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। नई दिल्ली लिमिटेड (एन.डी. टी.वी.) के प्रमोटर प्रणव रॉय तथा उनकी पत्नी राधिका रॉय, और उनकी इन्वैस्टमैंट फर्म आर.आर.आर. होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने उन पर लगाये गये 5 करोड़ रू. जुर्माने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया है। उन पर यह जुर्माना उनके द्वारा ऋण-इकरारनामों के छुपाये जाने के कारण सिक्योरिटीज एपेलैट ट्रिब्यूनल (एस. ए. टी.) द्वारा लगाया गया है।

एन.डी. टी.वी. द्वारा की गई रैग्यूलेटरी फाइलिंग के अन्तर्गत, उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- एन.डी.टी.वी. के प्रमोटर प्रणय रॉय एवं उनकी पत्नी ने सिक्युरिटीज़ अपैलैट ट्रिब्युनल द्वारा लगाए गए 5 करोड़ रू. के जुर्माने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

उद्धव ठाकरे की बॉम्बे हाई कोर्ट में भारी जीत!

न्यायालय ने ठाकरे की पार्टी को शिवाजी पार्क में दशहरा के अवसर पर रैली आयोजित करने की अनुमति दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के लिए यह एक बड़ी जीत है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मध्य मुम्बई स्थित प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में 5 अक्टूबर को वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की आज मंजूरी दे दी।

जस्टिस आर.डी. धानुका और जस्टिस कमल खांटा ने ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट और उसके सचिव अनिल देसाई द्वारा दायर याचिका पर यह अनुमति दी। याचिका में मुम्बई पालिका के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें रैली आयोजित करने की मंजूरी नहीं दी गई थी। ब्रहन्मुम्बई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) ने 21 सितम्बर को कहा था कि वह मंजूरी देने से इन्कार कर रहा है क्योंकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुट के विधायक सदा सरवंकर ने ऐसा ही एक आवेदन प्रस्तुत किया है, और यदि एक गुट को मंजूरी दी जाती है तो इससे कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाएगी, जैसी कि स्थानीय पुलिस ने आशंका जतायी है।

हाईकोर्ट द्वारा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मुम्बई के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति प्रदान किए जाने से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- शिवाजी पार्क का शिव सेना के लिये भारी महत्व है। सन् 1966 में शिव सेना के गठन के बाद बाल ठाकरे ने अपनी पहली बड़ी रैली शिवाजी पार्क में आयोजित की थी तथा 1995 में शिव सेना के प्रथम मु.मंत्री मनोहर जोशी ने अपना शपथ ग्रहण समारोह शिवाजी पार्क में ही आयोजित किया था तथा नवम्बर 2012 में मृत्यु उपरांत बाल ठाकरे का दाह संस्कार यहीं हुआ था।
- शिव सेना के विभाजन के बाद, उद्धव ठाकरे व शिंदे के खेमे, शिवाजी पार्क में दशहरा रैली को आयोजित करने का मामला हाई कोर्ट तक ले गये थे।
- अब शिव सेना के उद्धव ठाकरे के खेमे को रैली के आयोजन की अनुमति मिलने से ठाकरे खेमा अति आल्हादित है।

गहलोत का गेम प्लान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एक नया गेम प्लान है। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद एक पार्टी हाईकमान के रुप में वह यह तय करना चाहते हैं कि राजस्थान में उनके बाद मुख्यमंत्री पद का उत्तराधिकारी कौन होगा। उन्होंने शुक्रवार को इसके संकेत दिए कि पार्टी अध्यक्ष चुनाव

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- पार्टी अध्यक्ष बनने तक राजस्थान के मु.मंत्री पद पर काबिज रहना और अध्यक्ष बनने के बाद अपनी मर्जी का मु.मंत्री बनाना चाहते हैं गहलोत, ताकि सचिन पायलट को सी.एम. बनने से रोका जाये।

वो दिन गये जब राजनीतिज्ञ कुछ भी कह सकते थे

सोशल मीडिया आदि से हर नेता का पब्लिक उद्घोष रिकॉर्ड हो रहा है तथा कुछ भी कह कर बच निकलना असंभव हो गया है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। पुराने जमाने के राजनेता, टैक्नॉलजी तथा सोशल मीडिया की गैर मौजूदगी में, कुछ भी कहकर बच निकलते थे लेकिन अब, उनके शब्द की मॉनिटरिंग तथा विश्लेषण होता है। इसके उदाहरण स्वरूप कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस भूल को लिया जा सकता है, जब उन्होंने आटे को लीटर में नापने की बात कह दी थी तथा वे बुरी तरह ट्रोल हुये थे।

लेकिन कांग्रेस भी पीछे नहीं है उसने भी कई बार भाजपा दिग्गजों जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं, की कमियों को पकड़ा और जवाबी हमला किया है। इस समय यह बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया के युग में, सार्वजनिक जीवन से संबंधित लोगों को अपनी कथनी, करनी एवं आचरण-व्यवहार में बहुत सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि उनकी प्रत्येक गतिविधि आने वाली सन्ततियों के लिये रिकॉर्ड की जाती है तथा तत्काल संदर्भ एवं उनके विरोधियों द्वारा उपयोग एवं दुरुपयोग के लिये उपलब्ध रहती है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- राहुल गांधी ने आटे को लीटर में नापा तो सोशल मीडिया ने उन्हें नहीं बख्शा, बहुत देर तक वे ''ट्रोल'' हुए।
- इसी प्रकार, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मदुरै में उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा, मदुरै में एम्स की बिल्डिंग बनाने का 95 प्रतिशत काम पूरा हो गया है तो, मदुरै के कांग्रेस सांसद व पड़ोसी लोकसभा सीट के मार्क्सवादी पार्टी के सांसद, उस स्थान पर पहुंचे, जहां एम्स की बिल्डिंग 95 प्रतिशत पूरी होने का दावा किया था।
- दोनों सांसदों ने पाया जहां बिल्डिंग बननी थी, वहां एक ईंट भी नहीं रखी गयी है।
- सोशल मीडिया पर भारी शोर मचा कि, एम्स की बिल्डिंग ''चोरी'' हो गयी और यह तूफान भाजपा अध्यक्ष पर व्यंग्य करते हुए कई दिनों तक चला।

नविका कुमार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगम्बर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणियों को टाइम्स नाउ टी.वी. चैनल के प्राइम टाइम शो ''द न्यूज़ आवर'' पर एयर करने को लेकर चैनल की ग्रुप एडिटर नविका कुमार (44) के खिलाफ दर्ज सभी एफ.आई.आर. को एक साथ मिलाकर शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को हस्तांतरित कर दिया।

जस्टिस एम.आर. शाह और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने पैगम्बर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के विवाद में टाइम्स नाओ की नविका कुमार के खिलाफ दर्ज सभी एफ. आई. आर. क्लब करके दिल्ली पुलिस के सुपुर्द कर दी हैं।

सचिन पायलट एयरपोर्ट से सीधे विधानसभा पहुंचकर विधायकों से मिले, फिर पायलट से घर मिलने पहुंचे विधायक

इधर राजेन्द्र गुढ़ा बोले, आलाकमान सचिन पायलट का नाम तय करेगा और जयपुर का खुशनुमा मौसम भी यही इशारा कर रहा है। इसके बाद पायलट से घर जाकर मिले गुढ़ा

जयपुर, 23 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के बदलते सियासी घटनाक्रमों के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोच्चि से घोषणा की है कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे, क्योंकि राहुल गांधी ने स्पष्ट कह दिया है कि गांधी परिवार का कोई भी सदस्य कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेगा। दूसरी ओर बदलते घटनाक्रम के बीच सचिन पायलट जयपुर पहुंचे और सीधे विधानसभा गए, जहां बदले नजारे में उनके स्वागत में हमेशा साथ रहने वाले विधायकों के अलावा गिर्राज सिंह मलिंगा, खुशवीर सिंह जोजावर भी खड़े थे। हां पक्ष लॉबी में उनके साथ वे विधायक भी मौजूद थे, जो अशोक गहलोत की बेहद नजदीकी माने जाते हैं।

सचिन पायलट ने जयपुर पहुंचने के बाद ना सिर्फ विधानसभा पहुंचकर विधायकों के साथ में मुलाकात की। ऐसे संकेतों के बाद स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस आलाकमान ने बहुत स्पष्ट रूप से विधायकों को संकेत दे दिया है कि वे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उत्तराधिकारी के रूप में किसे देखना चाहते हैं। यही कारण रहा कि बसपा से कांग्रेस में आने वाले तथा पंचायत राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि हमें लगता है कि आलाकमान सचिन पायलट के नाम को हरी झंडी देगा और हम तथा निर्दलीय विधायक सचिन पायलट के साथ रहेंगे। इसी के साथ उन्होंने कहा कि आज जयपुर का खुशनुमा मौसम भी इसी बात की ओर इशारा कर रहा है।

इधर सचिन पायलट ने जयपुर में विधानसभा पहुंचकर विधायकों के साथ में चर्चा करने के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के चेंबर में जाकर उनसे भी चर्चा की। ऐसे में माना जा रहा है कि आलाकमान की ओर से सचिन पायलट से कहा गया है कि वे कांग्रेस,निर्दलीय तथा अन्य पार्टियों के विधायकों से मुलाकात करके उनसे आगे की रणनीति को लेकर चर्चा करें। इसीलिए सचिन पायलट अचानक दिल्ली से जयपुर पहुंचने का कार्यक्रम बनाया और इसी कार्यक्रम के मुताबिक उन्होंने विधायकों से मुलाकात की है।

इस बीच माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और संभावना जताई जा रही है कि उनका नामांकन 28 सितंबर को होगा। ऐसे में उसी दिन कांग्रेस आलाकमान विधायक दल की बैठक बुलाकर मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लेगा। परंपरा के अनुसार विधायक एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के पास भेजेंगे और उसके बाद आलाकमान निर्देशित करेगा की मुख्यमंत्री की शपथ कब होनी है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी आज के अपने बयानों में कहा है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस बारे में आलाकमान और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन तय करेंगे।

यह बात भी बताती है कि आलाकमान की ओर से सभी को स्पष्ट रूप से संकेत दिए जा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- विधानसभा में गहलोत के साथ दिखने वाले विधायक भी सचिन पायलट का स्वागत करने पश्चिमी द्वार पर पहुंचे।
- यह बात भी यही बताती है कि, आलाकमान की ओर से सभी को स्पष्ट रूप से संकेत दिए जा चुके हैं कि, आने वाले दिनों में राजस्थान की कमान किसके हाथ में होगी। सभी विधायकों के राजनीतिक स्वर बदलने लगे हैं, जिनमें अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक बाबूलाल नागर भी शामिल हैं, जिन्होंने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि, वह तो खुद राजेश पायलट के कट्टर समर्थक रहे हैं।
- जब भारत जोड़ो यात्रा में एक दिन के विश्राम के लिए राहुल गांधी का दिल्ली आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया तो, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली जाने के बजाए शिर्डी में साई बाबा के दर्शन करने के बाद सीधे जयपुर लौट आए। यहां आकर गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों को मुलाकात के लिये अपने निवास पर बुलाया।

विचार बिन्दु

डूबते को तारना ही अच्छे इंसान का कर्तव्य होता है। –अज्ञात

खतरनाक है बच्चों के लिए मोबाइल फोन

इस शताब्दी का सबसे उन्नत और प्रभावी संचार उपकरण मोबाइल फोन है। मोबाइल फोन हम सभी की जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। टेक्नोलॉजी के इस दौर में बच्चों का मोबाइल से खास लगाव हो चला है। आजकल बच्चे से बुजुर्ग के हाथों में मोबाइल देखा जा सकता है। आजकल ज्यादातर बच्चे मोबाइल फोन की बुरी आदत का शिकार हो गए हैं। बच्चों को मोबाइल फोन की ऐसी लत लगी है कि वो सोते-जागते, खाते-पीते, सिर्फ फोन में लगे रहते हैं। मोबाइल के बेहताशा उपयोग का बच्चों पर दुष्प्रभाव की जानकारी हर किसी को होनी जरुरी है ताकि यह पत्ता चल सके की यह बच्चों के लिए लाभकारी है या हानिकारक।

मोबाइल बच्चों का दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए अभिभावकों को इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। हाल ही में प्रयागराज में मोबाइल को लेकर ऐसी घटना सामने आई जो किसी भी पेरेंट को सोचने पर मजबूर कर देगी। 9वीं कक्षा की छात्रा को जब मोबाइल पर गेम खेलते देखा तो पिता ने डांट दिया। ऐसे में बेटी ने रात होते ही अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। यह ऐसा कोई पहला मामला नहीं है। देश के हर कोने से ऐसे मामले अक्सर सुर्खियों में आते रहते हैं। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है।

अपने बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर पर गेम खेलते अनेक माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते की उनका बेटा डिजिटल दुनियां के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। वे बड़े खुशी से बताते हैं कि वह मोबाइल पर फोटो निकाल लेता है। मैसेज भेज देता है। व्हाट्सप पर बात कर लेता है और फोटो, वीडियो शेयर कर लेता है। यहाँ तक की गूगल पर कुछ भी खोज लेता है। लेकिन शायद वह इस बात से अनजान है कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। विशेषज्ञ मानते है कि इलेक्ट्रॉनिक गजेट और कंप्यूटर का अत्यधिक प्रयोग बच्चों के लिए अच्छा नहीं है। इससे उनमें संवादहीनता और चिड़चिड़ेपन की प्रवृत्ति बढ़ती है।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जारहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है।

मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ा है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेट की लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करने की जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इससे बच्चों का स्वाभाविक विकास बुरा प्रभाव पड़ता है।

एक अभिभावक का कहना है उसका बेटा स्कूल से आते ही कंप्यूटर पर बैठ जाता है, कई आवाज लगाने पर भी हिलता तक नहीं। बाहर घूमने की जगह उनका बेटा कंप्यूटर पर व्यस्त रहता है, लेकिन अब उसके व्यवहार पर चिंता होने लगी है। वह किसी से बात करना तक पसंद नहीं करता, ज्यादा कुछ बोलों तो चिढ़ जाता है या चिल्लाकर जवाब देता है। एक दूसरा अभिभावक अपनी बेटी के व्यवहार से चिंतित है। वह कहती हैं कि अभी आठवीं कक्षा में ही है, लेकिन उसके अंदर इस उम्र के बच्चों सी चपलता और चंचलता नहीं है। काफी कम बोलती है। इंटरनेट सर्फिंग में उसका खाली समय बीतता है।

चिकित्स्कीय आंकड़ों के मुताबिक 12 से 18 महीने की उम्र के बच्चों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की बढ़ोतरी देखी गई है। ये स्क्रीन को आंखों के करीब ले जाते हैं और जिससे आंखों को नुकसान पहुंचता है। आंखें सीधे प्रभावित होने से बच्चों को जल्दी चश्मा लगने, आंखों में जलन और सूखापन, थकान जैसी दिक्कते हो रही हैं। स्मार्टफोन चलाने के दौरान पलकें कम झपकाते हैं। इसे कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। माता-पिता ध्यान दें कि स्क्रीन का सामना आधा घंटे से अधिक न हो। कम उम्र में स्मार्टफोन की लत की वजह बच्चे सामाजिक तौर पर विकसित नहीं हो पाते हैं। बाहर खेलने न जाने की वजह से उनके व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाता। मनोविशेषज्ञों के पास ऐसे केस भी आते हैं कि बच्चे पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की तरह ही हरकतें करने लगते हैं। इस कारण उनके दिमागी विकास में बाधा पहुंचती है। बच्चे अक्सर फोन में गेम खेलते या कार्टून देखते हुए खाना खाते हैं। इसलिए वे जरूरत से अधिक या कम भोजन करते हैं। अधिक समय तक ऐसा करने से उनमें मोटापे की आशंका बढ़ जाती है।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जा रहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है। जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 24 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र परिवार प्रातः 5:07 तक, साध्य योग प्रातः 9:42 तक, विष्टि करण दिन 2:52 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

भद्रा दिन 2:52 तक रहेगी। आज शुक्र कन्या राशि में रात्रि 9:03 पर प्रवेश करेगा। आज मास शिवरात्रि, चौदस का श्राद्ध और विषशस्त्रादि से मृतको का श्राद्घ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:49 से 9:19 तक, चर 12:14 से 1:49 तक, लाभ-अमृत 1:49 से 4:48 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:18

मेष

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

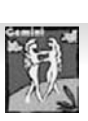

मिथुन

नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

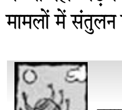

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

समाजवाद के प्रणेता अहिंसावादी अग्रवंशी सम्राट महाराजा अग्रसेन

निर्विवाद रूप से किसी भी राष्ट्र या समाज एवं परिवार को उन्नत विकसित और कल्याणकारी बनाने के लिये उसके आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्तम्भों का मजबूत होना अति आवश्यक है। लगभग 5141 वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेनजी इन्हीं चार स्तंभों को मजबूत कर समद्धर्शाली, कल्याणकारी समाजवादी एवं शक्तिशाली राज्य का निर्माण करने में सफल हुए थे। अग्रसेन एक पौराणिक कर्मयोगी लोकनायक होने के साथ -साथ अहिंसा और समाजवाद के प्रणेता दानवीर युग पुरुष थे जिनका जन्म अश्विनशुक्ल प्रतिपदा के दिन प्रताप नगर के सूर्यवंशी राजा वल्लभसेन के यहाँ हुआ था उनकी माताजी का नाम भगवती देवी था। प्रतापनगर राजस्थान एवं हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे स्थित हुआ करता था ।

ऐसा भी कहा जाता है की महाराजा अग्रसेन भगवान श्रीराम के पुत्र कुश की 34व्री पीढ़ी के थे। इस मान्यता के मुताबिक अग्रवंशी भगवान राम के वंशज होते है। कहा जाता है कि महाभारत के दसवें दिन राजा वल्लभसेन वीर गति को प्राप्त हो गये थे। पन्द्रह वर्ष की अल्प आयु मे ही अग्रसेनजी ने महाभारत के धर्मयुद्ध में पांडवो की तरफ से भाग लिया था। भगवान श्रीकृष्ण भी उनकी बुद्धिमता, शोर्य, पराक्रम, समझबूझ से अत्यंत प्रभावित हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि युवा अग्रसेन भविष्य में एक पराक्रमी सम्राट एवं युग पुरुष होंगे ।

विवाह-युवा अग्रसेन ने सर्पों के राजा नागराज की बेटी राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में अनेकों राजाओं, राजकुमारों और स्वर्ग के सम्राट इंद्रदेव के साथ भाग लिया था। स्वयंवर में राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन का चयन कर उनका वरण किया। अग्रसेन माधवी के विवाह से दो विभिन्न संस्कृतियों एवं परिवारों का मिलन हुआ क्योंकि राजकुमार अग्रसेन जहाँ एक सूर्यवंशी थे वहीं राजकुमारी माधवी एक नागवंशी थी।

भगवान शिव और माता लक्ष्मी की आराधना

महाभारत के युद्ध के कारण जन धन की बहुत तबाही हुई थी इसलिए अपने राज्य की खुशहाली के वास्ते महाराजा अग्रसेन ने काशी जाकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की

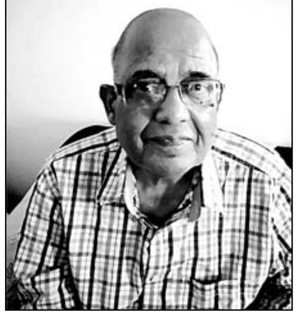

डा. जे. के. गर्ग

जिससे खुश हो कर भगवान शिवजी ने उन्हें दर्शन दिया और उनको आदेश दिया कि वे महालक्ष्मी जी की पूजा और ध्यान करें। अग्रसेन ने महालक्ष्मी की पूजा आराधना शुरू कर दी। माँ लक्ष्मी ने उनकी परोपकार हेतु की गई तपस्या से खुश होकर उन्हें दर्शन दिए और आदेश दिया कि वे अपना एक नया राज्य बनायें और क्षत्रीय परम्परा के स्थान पर वैश्य परम्परा अपना लें। माता लक्ष्मी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनके और उनके अनुयायियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होगी । लक्ष्मी माता का आदेश मान कर अग्रसेन महाराज ने क्षत्रीय कुल को त्याग वैश्य धर्म को अपना लिया, इस प्रकार महाराजा अग्रसेन प्रथम वैश्य सम्राट बने ।

अग्रोहा शहर का जन्म

देवी महालक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद राजा अग्रसेन ने नए राज्य की स्थापना एवं उस राज्य की राजधानी के चयन हेतु रानी माधवी के साथ भारत का भ्रमण किया, अपनी यात्रा के दौरान वे एक जगह रुके जहाँ उन्होंने देखा कि कुछ शेर और भेड़िये के बच्चे साथ खेल रहे थे। राजा अग्रसेन ने रानी माधवी से कहा के ये बहुत ही शुभ दैवीय संकेत है जो हमें इस पुण्य भूमि पर हमारे राज्य की राजधानी को स्थापित करने का इशारा कर रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया, जिसे कालान्तर में यह स्थान अग्रोहा नाम से जाना गया। अग्रोहा हरियाणा में हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ स्थान के समान है। यहां भगवान अग्रसेन, माता माधवी और कुलदेवी माँ लक्ष्मी जी के भव्य और दर्शनीय मंदिर है ।

समाजवाद के प्रेरणता

महाराजा अग्रसेन जी के राज्य में यह परंपरा थी कि जो भी व्यक्ति या परिवार उनके राज्य में आकर बसता था, अग्रोहा के सभी निवासी नवागंतुक नागरिक को सम्मान और स्वागत के रूप में एक रुपया और एक ईंट भेंट करते थे। कहा जाता है कि उस समय अग्रोहा में लगभग एक लाख से अधिक परिवार बसते थे। इस प्रकार उनके राज्य में आने वाला हर नागरिक एक लाख रुपये तथा एक लाख ईंटों का स्वामी बन जाता था। इन रुपयों से वह अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर लेता था वहीं ईंटों से अपना खुद का मकान बना लेता था। यही परंपरा समाजवाद की ही मिसाल है ।

शासन व्यवस्था

अग्रसेन जी ने वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि व्यापार उद्योग, गौ पालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराजा अग्रसेन जी पहले शासक थे जिन्होंने सहकारिता के आदर्श को सामाजिक जीवन में प्रतिस्थापित किया। उन्होंने जीवन के सुख सुविधाओं एवं भोग विलास आदि पर धन के अपव्यय के स्थान पर जीवन में सादगी, सरलता और मितव्ययिता बरतने पर जोर दिया। अग्रसेन के मतानुसार व्यक्ति को अपनी उपार्जित आय को चार भागों में बांट कर एक भाग का उपयोग परिवार के संचालन हेतु, दूसरे भाग का उपयोग उद्योग व्यवसाय या जीविका चलाने हेतु, तीसरे भाग का उपयोग सार्वजनिक कार्यों तथा चौथे भाग का उपयोग बचत कर राष्ट्र की समृद्धि में करना चाहिये।

अग्रवाल के 18 गोत्र एवं उनका नामकरण हममें से अधिकाश लोगों की मान्यता है कि अग्रवालों के 18 या साढ़े सत्तरह गोत्रो के नाम उनके 18 पुत्रों के नाम से रखे गये हैं किन्तु वास्तविकता में गोत्रों के नाम 18 यज्ञ करवाने वाले ऋषियों के नाम से हैं। महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि इन 18 यज्ञों को ऋषि मुनियों ने सम्पन्न करवाया और इन्हीं ऋषि-मुनियों के नाम पर ही अग्रवंश के गोत्रों का नामकरण हुआ। प्रथम यज्ञ के पुरोहित स्वयं गर्ग ऋृषि बने, उन्होंने राजकुमार विभु को दीक्षित कर उन्हें गर्ग गोत्र से मंत्रित किया। इस प्रकार अग्रवालों के 18 गोत्र हैं यथा- गर्ग, तायल, कुच्चल, गोयन, भंदेल, मंगल, मित्तल, बंसल, बिंदल, कंसल, नागल, सिंघल, गोयल, तिंगल, जिन्दल, धारण, मधुकुल, एरेन। ऋृषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को भगवान अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ भगवान द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी प्रचलित है। राज्य के उन्हीं 18 गणों से एक-एक प्रतिनिधि लेकर उन्होंने लोकतांत्रिक राज्य की स्थापना की, जिसका स्वरूप आज भी हमें भारतीय लोकतंत्र के रूप में दिखाई पड़ता है। महाराजा अग्रसेन ने परिश्रम से खेती, व्यापार एवं उद्योगों से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर अग्रसेन जी ने वैश्य जाति को न्याय पूर्ण व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी प्रजा को आत्मरक्षा के लिए शास्त्रों के उपयोग की शिक्षा भी प्रदान करवाई थी। कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। वर्तमान में अग्रवंशियो की संख्या लगभग आठ करोड़ है। अग्रसेन जी के वंशज आज भी उन्हीं की विचारधारा से प्रभावित होकर जनकल्याण के हितार्थ धर्मशाला, मंदिर, अनाथालय अस्पताल पुस्तकालय, स्कूल एवं कॉलेज की स्थापना करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं ।

सच्चाई तो यही है कि सम्राट अग्रसेनजी ने अपने आपको एक महान एवं सफल मेनेजमेंट गुरु के रूप में स्थापित किय। महाराजा अग्रसेन ओर माता माधवी ने अपने सभी 18 पुत्रों को श्रेष्ठतम संस्कार प्रदान किये थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का प्रवर्तक, अहिसां के पुजारी, सुयोग्य प्रशासक एवं आदर्श मेनेजमेंट गुरु के रूप में जाना जाता है आठ करोड़ से ज्यादा अग्रवालों के लिये उनके सिद्धांत हमेशा अनुकरणीय और प्रेरक बने रहेगें। अग्रसेनजी के 5141 वें जन्मदिवस पर कोटि कोटि प्रणाम ।

डा. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

चुरू के राजगढ़ क्षेत्र में बरसात का दौर जारी

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में लंबे समय से चल रही मानसून की बेरुखी एवं बारिश के अभाव में दम तोड़ चुकी फसलों के लिए लगातार 3 दिन से सक्रिय मानसून नुकसान दायक ही साबित होता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार कटाई की गई फसलें खेतों में ही पडी हैं, जिससे खेतों में पडी फसले बर्बाद होने का अदेंशा है। हाल ही में मूंग मोठ एवं चवला की लावणी चल रही थी जिसमें शत प्रतिशत फसल खराब होने का अंदेशा है ।

आगामी रबी फसल की बुआई हेतु किसानों ने बारिश को बहुत उपयुक्त बताया। राजगढ उपखण्ड क्षेत्र में अधिकांश किसान चने की फसले बोते हैं, जिनके लिए अब बरसात होना राहत भरी खबर भी है। वहीं चूरू जिले के राजगढ उपखंड शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बादल झूम-झूम कर बरस रहे है। इसी बीच गुरुवार को पूरे दिन कहीं रिमझिम एवं कहीं हल्की फुहारों के रूप में वर्षा का दौर जारी रहा तथा शुक्रवार को अलसुबह 5.3० बजे तेज वर्षा का

- **मूंग मोठ एवं चवला की शत प्रतिशत फसल खराब होने का अंदेशा**

दौर जारी हुआ जो 1 घंटे तक जारी रहा। इस दौरान कभी रिमझिम कभी तेज वर्षा होती रही।

मगर दुबारा से 8 बजे फिर वर्षा का दौर शुरू हुआ जो 9 बजे तक जारी रहा तीसरी बार पूर्वाहन 12.45 बजे वर्षा का दौर शुरू हुआ, जिससे करीबन दो घंटो तक अच्छी वर्षा हुई तथा वर्षा होने से किसानों के चेहरे खिल उठे एवं कहीं मायूसी देखने को भी मिली। इस दौरान हरियाणा निकटवर्ती

राजगढ़ क्षेत्र में लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के चलते खेतों में पड़ी फसल खराब होने लगी है।

बालाण,कामाण, जीराम बास, भाकरां, खैरु बडी, खैरू छोटी व बीराण आदि गाँवो में कहीं हल्की एवं कहीं मध्यम, कही अच्छी बारिश के समाचार हैं। समाचार लिखे जाने तक बारिश का दौर जारी रहा।

राजस्थान की शान थे फिल्म अभिनेता महिपाल

1963 में प्रदर्शित हिन्द फिल्म पारसमणी अपने समय बहुत कामयाब हुई थी। इसमें एक गाना था, "वो जब याद आए तो बहुत याद आए...।"

यह गाना आज भी बहुत लोकप्रिय है। इस फिल्म में नायक की भूमिका उस जमाने के सुपरस्टार महिपाल ने निभाई थी। पर्दे पर महिपाल पर यह

गाना फिल्माया गया था।

मगर बहुत कम लोग जानते होंगे कि अभिनेता महिपाल जोधपुर के थे। वे जैन समाज के भण्डारी गौत्र से थे। उनका पूरा नाम महिपाल भण्डारी था। उनका जन्म 24 नवंबर 1919 में जोधपुर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शोक था। जोधपुर में उन दिनों जहां कहीं भी रामलीला का मंचन होता तो अपने दादा जी को साथ लेकर जरूर पहुंच जाते। स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने जसवंत गवर्नमेंट कॉलेज जोधपुर से साहित्य में स्नातक किया। उन्हें लोक नाट्य देखने और कविताएं लिखने का भी शोक था। इसी को चलते वे गीतकार बनने एक बार बम्बई भी गए। उन्होंने 1940 के दशक की शुरुआत में मुंबई जाने से पहले थिएटर में काम भी किया।

पांचवें दशक की शुरुआत होते होते फिल्म जगत में प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में बननी शुरू हो गई थी। जी बी कपूर ने भी सोचा कि सभी प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में बन रही है और चल भी रही है,तो क्यों ना राजस्थानी फिल्म बनाई जाए। उन दिनों तक महिपाल जोधपुर में ही थे। एक दिन जी बी कपूर आनन्द बिहारी देलवा और सोहराब मोदी के सहायक को साथ लेकर कलाकारों का चयन करने जोधपुर पहुंच गए। उन लोगों ने नायक के लिए महिपाल का चयन कर लिया। सवा सौ

अभिनेता महिपाल

रुपए महीना की तनख्वाह देने की बात तय हो गई।

इस प्रकार 1942 में फिल्म नजराना से महिपाल के फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। यह फिल्म राजस्थानी

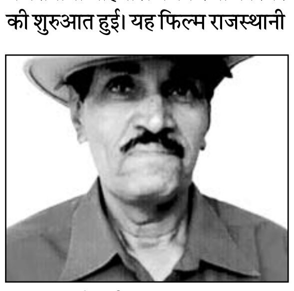

मिश्रीलाल पंवार

और हिंदी में बनाई गई। मगर दुर्भाग्य से यह फिल्म चल नहीं पाई। मगर फिल्मी नगरी में महिपाल की पहचान बन गई। इसके बाद उनकी मुलाकात वी. शांताराम से हुई तो वी. शांताराम ने गीत लिखने का प्रपोजल रख दिया। महिपाल ने बात मान ली।

इसके बाद उन्होंने वी. शांताराम की चार फिल्मों के लिए लिए गीत लिखे। वीं शांताराम के साथ उनके काम ने उन्हें स्थायी पहचान दिलाई। उन्होंने सोहराब मोदी और बाद में वाडिया ब्रदर्स, होमी वाडिया और जेबीएच वाडिया जैसे निर्देशकों के साथ काम किया। उन्होंने निरूपा रॉय, माला सिन्हा और यहां तक कि मीना कुमारी जैसी अभिनेत्रियों के साथ कई पौराणिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। अनिता गुहा के साथ उनकी जोड़ी काफी लोकप्रिय रही थी। उन्होंने अलीबाबा और 40 चोर (1954), जेनी (1953), अलादीन और जादूई चिराग (1952) और अलीबाबा का बेटा (1955) सहित अरेबियन नाइट्स पर आधारित फंतासी फिल्मों की एक श्रृंखला भी की थी। वह पौराणिक एवं ऐतिहासिक फिल्मों का दौर था। हांलांकि उस समय पारम्परिक फिल्में भी बन रही थी। अशोक कुमार, देवानंद, दिलीप कुमार, राजेंद्र कुमार, धर्मेंद्र, राजकुमार जैसे कलाकार पारम्परिक फिल्मों में नायक की भूमिका निभा रहे थे। वहीं महिपाल स्टंट फिल्मों के स्टार थे। जिसमें पारसमानी, ज़बक, कोबरा गर्ल, जंतर मंतर, अरेबियन नाइट्स थीम वाली फिल्मों सहित अलीबाबा का नाम लिया जा सकता है। पौराणिक फिल्मे संपूर्ण रामायण, गणेश महिमा, वीर भीमसेन, जय संतोषी मां ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया। उन्हें भगवान विष्णु, भगवान राम और उनके दो भगवान कृष्ण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। तुलसीदास और अभिमन्यु की भूमिका निभाने के अलावा, विभिन्न पुराणों, महाभारत, भागवत पुराण पर आधारित कई फिल्मों में वे दिखाई दिए। वी शांताराम के नवरंग (1959) में मुख्य भूमिका के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने वी. शांताराम की नवरंग (1959) और बाबूभाई मिस्त्री की पारसमणि (1963) सहित 1950 और 1960 के दशक की कई प्रसिद्ध फिल्मों में अभिनय किया और सुपर स्टार के रूप में अलग ही पहचान बनाई। उन्होंने करीब 130 फिल्मों में कार्य किया। राजस्थानी में बनी बाबा रामदेव फिल्म की सफलता ने महिपाल को अपार सफलता दिलाई। बाबा रामदेव के भक्त जब इस फिल्म को देखने सिनेमाघरों में जाते तो पर्दे के आगे शीश झुकाना नहीं भूलते। सम्पूर्ण रामायण तथा कण कण में भगवान में उनके अभिनय की खूब सराहना हुई। 1970 के दशक की हिट जय संतोषी मां (1975) जैसी फिल्मों में दिखाई दिए। उन्होंने 40 वर्षों तक कार्य करने के बाद फिल्मों से संन्यास ले लिया।

उनकी एक विशेषता थी, इतने बड़े कलाकार होने के बाद भी अभिमान उन्हें छू भी नहीं पाया। घर-परिवार में जब भी मांगलिक कार्य होते, वे जोधपुर दौड़े चले आते। आखिर 86 वर्ष की आयु में 15 मई 2005 को हृदय गति रुक जाने से उनका मुंबई में निधन हो गया।

मिश्रीलाल पंवार,

रेलवे उत्पादन ईकाई एवं मेन्टीनेंस डिपो बचाओ दिवस के अवसर पर विरोध प्रदर्शन

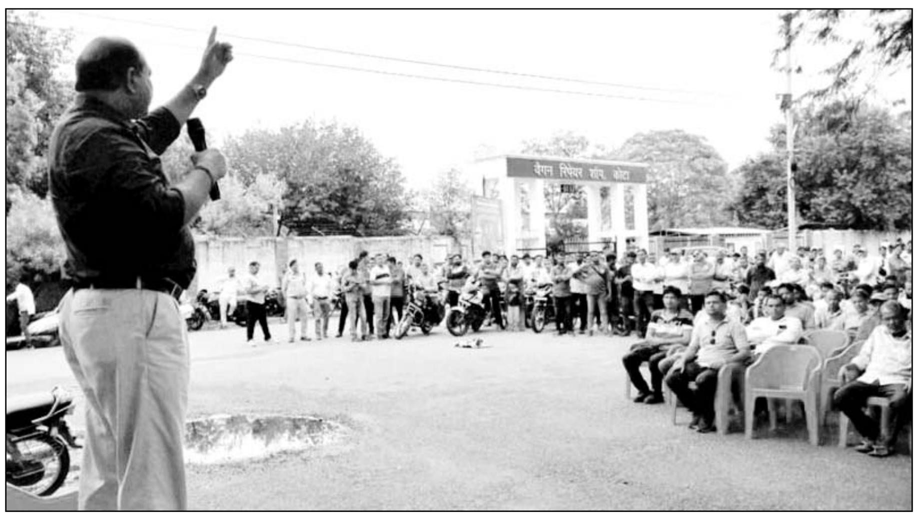

रेल कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करके नाराजगी जताई है।

कोटा, (निसं)। ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन के आव्हान पर वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन कोटा मंडल के समस्त मुख्यालय कोटा, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी, बयाना, भरतपुर, तुगलकाबाद, रामगंजमंडी शामगढ़ विक्रमगढ़ आलोट, बारां, बूंदी में रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे उत्पादन ईकाई एवं मेन्टीनेंस डिपो का निजीकरण, निगमीकरण करने के विरोध में विशाल विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

यूनियन के महामंत्री मुकेश गालव ने वैगन रिपेयर शॉप कारखाना कोटा के मेनगेट पर आमसभा को संबोधित करते हुये कहा कि केन्द्र सरकार लगातार देश की तमाम राष्ट्रीय सम्पत्तियों को बेचने, निगमीकरण करने पर आमादा है। इसी तारतम्य में वह रेलवे पर भी अपनी नजर गड़ाये हुये है। रेलवे हमारे देश का महत्वपूर्ण मंत्रालय है जिसने गलत दिशा ले ली है रेलवे में चन्द कारोबारी घरानों को फायदा पहुंचाने के लिये जल्दबाजी में नीतियां बनाई जा रही है। रेल मंत्रालय कई दशकों से एक प्रेरक शक्ति बना हुआ है। भारतीय रेल को देश की जीवन रेखा के रूप में जाना जाता है। पिछले वर्षों में पूर्व रेलमंत्री पीयूष गोयल पूरे भारत में चलने वाली 150 ट्रेनों के निजीकरण का प्रस्ताव लेकर आये थे। संसद में और फैडरेशन के साथ होने बैठकों में बार-बार कहा है कि सरकार की रेलवे के निजीकरण की कोई योजना नहीं है।

लेकिन अन्तत: उन्होंने भारत भर में 150 ट्रेनों की आपूर्ति और संचालन के लिये निजी फर्मों के लिये बहुत बड़ी निविदा के साथ लाया गया। इन निजी ट्रेनों को सरकार द्वारा चलाई जाने वाली भारतीय रेलों की सरकारी ट्रेनों पर महत्व दिया जाना था और लगातार दो तीन बार निजी ट्रेनों की निविदा निकाली गई पर उसके लिये बोली असफल हो गई और निविदा को छोड़ना पड़ा इसके पीछे कही न कहीं एआईआरएफ जैसे शक्तिशाली संगठन की संगठित शक्ति की घोषणा का कमाल था कि एआईआरएफ ट्रेनों के निजीकरण नहीं होने देगा जिससे निविदाकर्ता असमंजस में थे इसके पश्चात अश्विनी वैष्णव ने रेलमंत्री के रूप में कार्यभार सम्भालते ही साझा किया कि सरकार रेलवे के निजीकरण की कोई योजना नहीं है हालांकि सरकार को ऐसा लगता है कि रेलवे का बादशाह वहीं होगा जो बड़े पैमाने पर निजीकरण लायेगा और उसके लिये वर्ष 2022 महत्वपूर्ण है।

जैसे हम वर्ष 2024 की ओर बढ़ते है रेलों के निजीकरण के परिणामस्वरूप आम चुनावों में भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिये अगर रेलों का निजीकरण करना है तो वर्ष 2022 में कर लेना चाहिये इसीलिये वर्तमान रेलमंत्री रेलवे के निजीकरण को तेजी से आगे बढ़ा रहे है जो निविदाओं के रूप में हल्की गति से प्रकाशित की जाती है। ताकि उन्हें रेलवे यूनियन फैडरेशन के शोर शराबे के बिना निजी फर्मों को दिया जा सके। गालव ने बताया कि इसी श्रृंखला में 23 सितम्बर को पूरे भारतीय रेलवे के साथ साथ पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों जबलपुर, कोटा, व भोपाल के समस्त कार्यस्थलों, मंडल और शाखा मुख्यालयों पर रेलवे उत्पादन ईकाई एवं मेन्टिनेंस डिपों बचाओं दिवस मनाते हुये विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। गालव ने रेल प्रशासन को चेतावनी देते हुये कि निजीकरण को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे।

वैगन रिपेयर शॉप कारखाना कोटा मेन गेट पर हुई आमसभा की अध्यक्षता कारखाना अध्यक्ष घनश्याम मीणा ने की इस आम सभा को अरविंद सिंह सचिव जसवंत सिंह ने भी संबोधित किया साथ में यूनियन पदाधिकारी ओम प्रकाश राजपूत प्रशांत गौतम आरके दत्ता मनोज गुप्ता अब्दुल सलाम पीयूष मौर्य प्रसनजीत रईस मोहम्मद बबीता चौहान गीता पेशवानी संतरा मीणा कमलेश मीणा चेतराम मीणा विनोद शर्मा सहित सैकड़ों सक्रिय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यास का दो दिवसीय शिविर संपन्न
212 आवेदकों को स्वामित्व मिला

नगर विकास न्यास के द्वारा पट्टे प्रदान किए गए।

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में राज्य सरकार के अभूतपूर्व अभियान प्रशासन शहरों के संग के तहत लगातार नगर विकास न्यास द्वारा वार्ड वार शिविर आयोजित कर आवेदकों को सरकार द्वारा अभियान के तहत दी जा रही विशेष छूट का लाभ देते हुए उनके भूखंड एवं आवासों का मालिकाना हक प्रदान किया जा रहा है।

अभियान के दूसरे चरण के तहत लगातार नगर विकास न्यास की ओर से वार्ड वार शिविर आयोजित कर एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाते हुए आवेदकों को आवास एवं भूखंड के पट्टे बनाकर सौंपे जा रहे हैं। कोटा उत्तर निगम के वार्ड नंबर 61 एवं 19 के क्षेत्र वासियों के लिए नयानोहरा शिव पार्वती सामुदायिक भवन में आयोजित दो दिवसीय शिविर शुक्रवार को संपन्न हुआ। शिविर के प्रभारी उपसचिव मोहम्मद ताहिर ने बताया कि दो दिवसीय शिविर के दौरान 212 पट्टे कृषि भूमि पर बसी अनुमोदित कॉलोनियों के आवेदकों को शिविर में तैयार कर सौंपे गए।

शिविर में पहले दिन 104 एवं दूसरे दिन 108 पट्टे बनाकर आवेदकों को मालिकाना हक सौंपा गया। शिविर को लेकर न्यास कर्मचारियों ने क्षेत्र के अश्विनी बिहार विस्तार, धन लक्ष्मी एनक्लेव, मारुती कॉलोनी एनक्लेव, सुमन विहार, अमृत नगर, अमृत धाम, चाणक्य नगर, कार्तिकेय एंक्लेव सहित क्षेत्र की कृषि भूमि पर बसी अनुमोदित कॉलोनियों के क्षेत्रवासियों को शिविर में दी जा रही विशेष छूट एवं शिविर के बारे में जानकारियां दीं। शिविर के दौरान सह प्रभारी तहसीलदार कृष्णवतार गर्ग सहित न्यास के कर्मचारी मौजूद रहे।

अगला शिविर 27, 28 सितंबर कुन्हाड़ी वीर दुर्गादास स्टेडियम में- प्रशासन शहरों के संग द्वितीय चरण के तहत वार्ड वार आयोजित हो रहे शिविरो के तहत कोटा उत्तर निगम के वार्ड नंबर 32 एवं 51 क्षेत्र के संगम विहार, आनंद विहार गणपति नगर विस्तार ,पूनम कॉलोनी, विराट नगर, सिद्धिविनायक नगर, श्रीजी नगर, गणपति रेजिडेंसी, न्यू गणपति रेजिडेंसी, पार्वतीपुरम, पार्श्वनाथ पुरम, वृंदावन विहार सहित क्षेत्र की कॉलोनी के क्षेत्रवासी पट्टे के लिए आवेदन कर सकेंगे।

राइट टू हेल्थ बिल में संशोधन की मांग, आईएमए ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया

कोटा जिला कलेक्टर को आईएमए के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

- राज्य सरकार ने संशोधन नहीं किया तो आंदोलन को मजबूर होंगे

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार ने सितंबर 2022 को विधानसभा में राइट टू हेल्थ बिल सदन में पटल पर रखा जाना निश्चित किया है, इस बिल को पढ़ने के बाद राजस्थान भर के चिकित्सकों में असंतोष है। प्रदेश के वरिष्ठ चिकित्सकों ने इस बिल को पढ़ने के बाद इसमें कई खामियां बताई हैं, जिनका दूर किया जाना प्रदेश की जनता व चिकित्सकों के लिए आवश्यक है।

यदि ऐसा नहीं हुआ तो प्रदेश के चिकित्सकों को आंदोलन की राह चुननी होगी। बिल को पास करने से पूर्व चिकित्सकों की राय लेकर इसमें संशोधन की मांग को लेकर कोटा आईएमए द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ. आरपी मीणा, सचिव डॉ. अखिल अग्रवाल की उपस्थिति में कई चिकित्सकों ने जिला कलक्टर ओपी बुनकर को स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया है और बिल में संशोधन की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि जनता को अच्छी स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए और राज्य सरकार द्वारा निशुल्क चिकित्सा प्रदान करने के लिए बहुत से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, हम सभी चिकित्सक आपकी उन योजनाओं का कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे हैं, परंतु इस बिल को पढ़ने के बाद चिकित्सक वर्ग में निराशा है।

राज्य स्तरीय प्राधिकरण एवं जिला स्तरीय प्राधिकरण के सदस्य चयन बोर्ड में मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं चिकित्सालय अधीक्षकों को सम्मिलित नहीं किया गया है, जबकि यह चिकित्सा प्रमुख सर्वाधिक विशेषज्ञता धारण किए हुए है तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी चिकित्सा क्षेत्र में शामिल नहीं है। डॉ. आरपी मीणा ने बताया कि इस विधेयक को पारित करने से पूर्व चिकित्सकों के राज्य स्तरीय संगठन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं अन्य कई जिला स्तरीय संगठनों के माध्यम से राज्य के निजी एवं सरकारी सेवा प्रदाता चिकित्सकों के कोई सुझाव सम्मिलित नहीं है, यह इस विधेयक को जल्दबाजी में लागू करना दर्शाता है, इससे राज्य के सभी चिकित्सक आशंकित है कि चिकित्सक पूर्ण भयमुक्त वातावरण में आमजन को चिकित्सा दे पाएंगे या अफसरशाही से पीड़ित रहेंगे।

राइट टू हेल्थ विधेयक में चिकित्सकों के निर्बाध चिकित्सा सेवा को परिभाषित नहीं किया गया है। डॉ.आरपी मीणा ने कहा कि आपातकालीन परिस्थिति में निजी चिकित्सकों को निर्देशित किया गया है कि वह बिना पूर्व भुगतान के रोगी को चिकित्सा दे किंतु निजी चिकित्सालय के धन का भुगतान राज्य सरकार करेगी या कोई अन्य संस्था इसका कोई उल्लेख बिल में नहीं है। अनावश्यक प्रशासनिक हस्तक्षेप चिकित्सकों को स्व केंद्रित सुरक्षा की ओर अधिक प्रेरित कर रोगियों की त्वरित चिकित्सा को विलंब कर सकता है। चिकित्सकों को सरकारी एवं निजी के अधिकारों एवं सुरक्षा को इस विधेयक में परिभाषित ना करना चिकित्सकों के अन्य राज्यों में पलायन की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकता है। विधेयक में प्राधिकरण के सदस्यों को विधाई शक्तियां दी गई किंतु साथ ही उनके निर्णय को सक्षम न्यायालय में पीड़ित पक्ष की चुनौती देने के अधिकार का निषेध किया गया है जो कि आमजन के संवैधानिक अधिकार का हनन है। डॉ. अखिल अग्रवाल ने बताया कि इस विधेयक के आमजन के स्तरीय चिकित्सा प्राप्त करने के अधिकांश बिंदु मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया नेशनल मेडिकल कमीशन के द्वारा परिभाषित हैं एवं चिकित्सक उन प्रावधानों के अनुरूप चिकित्सा देने को पहले से ही प्रतिबंध है। राज्य के कुल रोगियों का 70 प्रतिशत निजी चिकित्सालय में व छोटे-बड़े सभी मिलाकर के भर्ती एवं आउटडोर चिकित्सा प्राप्तकर्ता हैं। इस विधेयक के द्वारा गठित राज्य एवं जिला प्राधिकरण में निजी क्षेत्र के चिकित्सालय के प्रतिनिधि सम्मिलित करने की कोई सूचना नहीं है, जो कि निजी चिकित्सा सेवा के प्रति पूर्वाग्रह दर्शाता है। विधेयक को लागू करने से पूर्व उक्त विसंगतियों को दूर करना ही न्याय संगत है।

चित्र प्रतियोगिता आयोजित

कोटा, (निसं)। महाराजा श्री अग्रसेन सोशल ग्रुप कोटा की ओर से शुक्रवार को अग्रसेन जयंती पखवाड़े पर चित्र प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभांगीय अध्यक्ष संजय गोयल ने बताया कि प्रतियोगिता में नन्हें बाल कलाकारों ने भगवान अग्रसेन के चित्र बनाए गए। जिसमें ऐशिका गोयल को प्रथम पुरस्कार, लविणा मित्तल और मीनल जैन को द्वितीय पुरस्कार तथा अनिया अग्रवाल तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि अन्य सांत्वना पुरस्कार कनिष्का अग्रवाल, विधि मित्तल, शैलेश जैन, पूर्वी बंसल, सुहानी गोयल, आनन्दी अग्रवाल, मोहित एरण, जितेंद्र कंसल, तनिष्क जैन, शशांक गोयल, अनुज अग्रवाल, मोहित बंसल को दिया गया। इस दौरान रामबाबू गुप्ता, जिलाध्यक्ष राजकुमार गोयल, परमानंद गर्ग निर्णायक के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मुकेश अग्रवाल, राजेश गोयल, सुरेश बंसल, राघवेंद्र गर्ग, टीकम खांड वाला, श्याम गर्ग, दीनदयाल अग्रवाल, अनिल गर्ग ने पुरस्कार बांटे। सभांगीय महामंत्री परमानंद गर्ग ने अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर रिद्धि सिद्धि काम्प्लेक्स में भगवान अग्रसेन का दुध, दही, खांड, धृत, शहद, गंगाजल से समग्र अग्रबंधुओ द्वारा महामस्तक 71 किलो दूध दही से करने के लिए सभी समाजबंधुओं को आमंत्रित किया है।

खोया-पाया

शकुंतला खंडेलवाल पत्नी ओमप्रकाश खंडेलवाल 4 B 35 महावीर नगर विस्तार योजना का कब्जा पत्र व अदेय प्रमाण पत्र गुम हो गया है किसी को मिलने पर सूचित करें। मो. 8003746763

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक: LU2012/KOT/2022-23/100398 **लोक सूचना** दि. 23.09.2022

श्री BHAIRU LAL पुत्र श्री RAMKALYAN जाति BRAHMAN निवासी 98 SARKARI SCHOOL KE PASS MANPURA KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	बोरखंडी, लाडपुरा (कोटा)	BHAIRU LAL S/O RAMKALYAN CASTE BRAHMIN, MANPURA	6	11200	1.12
				कुल	1.12

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23/09/2022 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, कोटा**

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक:-उ.आ.आ./को.वृ.को./2022-2023/2568 जाहिर आम सूचना दिनांक: 22.9.22

आवास संख्या 345 महावीर नगर कम्पीटीशन कालोनी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री तुलसीराम पुत्र श्री चम्पालाल को किया गया था। श्री तुलसीराम द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 22.01.2001 को श्री रामसिंह पुत्र श्री कंवर सिंह को किया गया। श्री रामसिंह की मृत्यु दिनांक 06.03.2002 को हो गयी, मृत्युपरान्त श्री रामसिंह के वारिस श्री गजराज सिंह पुत्र स्व. श्री रामसिंह द्वारा समस्त मूल दस्तावेज क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य सभी वारिसानों के अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का नियमितिकरण अपने स्वयं के पक्ष में करने हेतु आवेदन किया है।

अत: इस आवास का नियमितिकरण श्री गजराज सिंह पुत्र स्व. श्री रामसिंह के नाम करने में किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का नियमितिकरण श्री गजराज सिंह पुत्र स्व. श्री रामसिंह के नाम किए जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्री गजराज सिंह पुत्र स्व. श्री रामसिंह के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड

(ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन [अधिनियम 2002 (2002 के नियम 54)]" और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना दिनांक 24 जून 2021 को निर्गमित की जिसमें माँग करते हुए ऋणी हेमन्त कुमार राठौड (ऋणी), कन्हैया लाल (सह-ऋणी व बंधककर्ता), (खाता संख्या: L9001060115377329) से नोटिस में वर्णित ₹ 493697/- (अक्षरे चार लाख तिरानवे हजार छह सौ सतावने मात्र) की राशि इस नोटिस कि प्राप्ति कि दिनांक से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/बन्धकर्ता के वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बन्धकर्ता को तथा समान्यजन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा दिनांक 22 सितम्बर 2022 को अधिग्रहण कर लिया है।

ऋणी/सह-ऋणी/बन्धकर्ता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार ₹ 493697/- (अक्षरे चार लाख तिरानवे हजार छह सौ सतावने मात्र) की राशि दिनांक 24 जून 2021 तक तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक की राशि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।

ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

सम्पति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर, एवं फिक्चर हिस्सा खसरा नं. 1577, ग्राम मंडावरा, तहसील -डीगोड, जिला - कोटा, राजस्थान क्षेत्रफल 760 वर्ग गज जो कि कन्हैया लाल के स्वामित्व में है।

पूर्व : आम रास्ता, पश्चिम : बुद्धि प्रसाद का मकान,
उत्तर : जानकी नाथ का मकान, दक्षिण : दीपा बाई का मकान

दिनांक: 22 सितम्बर 2022 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : कोटा **एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**

भाजपा बूथ स्तर पर पं. दीनदयाल जयंती मनायेगी

- 25 सितंबर को भाजपा कोटा शहर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को सुना जायेगा

कोटा, (निसं)। भाजपा कोटा शहर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी तथा सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक मुकेश विजय, सहसंयोजक हरिहर गौतम, सीमा भारद्वाज के आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी शहर जिला कोटा द्वारा सेवा पखवाड़े के रूप में अनेकों सेवा कार्य कर मनाया जा रहा है।

इसी क्रम में 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल जयंती को भारतीय जनता पार्टी शहर जिला कोटा द्वारा बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। पंडित दीनदयाल जयंती कार्यक्रम के प्रभारी जिला महामंत्री जगदीश जिंदल, सहसंयोजक जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र राही ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को भाजपा जिला पदाधिकारियों तथा मंडल अध्यक्ष की बैठक संपन्न हुई। भारतीय जनता पार्टी शहर जिला कोटा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती को बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। 24-25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को कमलोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। घरों पर भाजपा के झण्डे, स्टीकर लगाये जायेंगे। पं दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि कि जायेगी।

प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ पदाधिकारी, मण्डल प्रभारी, पार्षद, बूथ स्तर पर कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। सोशल मीडिया द्वारा कार्यक्रम का प्रचार प्रसार किया जायेगा। भाजपा कोटा शहर द्वारा 25 सितंबर को टिपटा रोड स्थित दीनदयाल पार्क में पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा।

मन की बात कार्यक्रम के जिला समन्वयक मुकेश विजय, संयोजक देवेंद्र राही, सहसंयोजक सीमा भारद्वाज ने बताया की पं दीनदयाल उपाध्याय जयंती के पश्चात 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा शहर कोटा द्वारा बूथ स्तर पर सुना जायेगा। बैठक का संचालन जिला महामंत्री चंद्रशेखर नरवाल, धन्यवाद जिला मंत्री हरिहर गौतम ने दिया।

जल सप्लाई के आंशिक बाधित रहने की संभावना

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी पचपहाड़ परियोजना के आम्बा कुई इन्टेक वेल पर आ रही 33 किलोवाट पावर लाइन आरएपीपी 132 केवीए जीएसएस पर गुरुवार रात से पॉवर फाल्ट होने से बंद थी। जिसे शुक्रवार को रावतभाटा बाड़ोली जीएसएस से 2 बजे जोड़कर चालू की गई है। जिससे 18 घंटे तक जल उत्पादन बन्द होने से शुक्रवार शाम को होने वाली जल सप्लाई चेचट मोड़क गांव, मोड़क स्टेशन पर बाधित रही है। 24 सितम्बर शनिवार को प्रात: शहरी क्षेत्र रामगंजमंडी को होने वाली जल सप्लाई आंशिक बाधित रहने की संभावना है। साथ ही रावली पम्प हाउस से जुड़े साथलखेड़ी, खैराबाद व ग्रामीण क्षेत्र में भी जल सप्लाई बाधित रहेगी।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-उत्तर

क्रमांक:-ननिको.(उ.)/जोन प्रथम/2022/7734-35 दिनांक: 20.9.22

-: सार्वजनिक विज्ञप्ति :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सर्म्पूणा जारौली पत्नी स्व. श्री श्रवण कुमार जारौली निवासी-म.न. 132 बल्लभबाडी गुमानपुरा कोटा स्थित भूखंड क्षेत्रफल 1381.25 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने का आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

आवास/भूखंड म.न. 132 बल्लभबाड़ी गुमानपुरा कोटा स्थित भूखंड का आवंटन कार्यालय नगर विकास न्यास कोटा (राजस्थान) द्वारा दिनांक 05.05.1984 को श्री इन्द्र सिंह गहलोत पुत्र श्री भूर सिंह गहलोत के पक्ष में जारी किया गया था। श्री इन्द्र सिंह गहलोत पुत्र श्री भूर सिंह गहलोत ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 14.06.2004 को श्री श्रवण कुमार जारौली पुत्र स्व. श्री ख्यालीलाल जारौली के पक्ष में विक्रय की गई।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार आवास/भूखंड म.न. 132 बल्लभबाड़ी गुमानपुरा कोटा स्थित उक्त भूखंड का नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य कोई जो उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित रुप से अधो-हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा उत्तर

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या EPS/37/2022)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए website https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

Sr. No.	Tender No.	Short Description	Tendered Qty.
1	20223446	Set Of Hydraulic Dampers	13 Sets
2	20214062B	Push Pull rod (Traction Bar)	48 Sets
3	30221545	Yaw Damper For All Type Of Lhb Coaches	557 Nos.
4	30221541	Primary Vertical Damper For Fiat Bogie	2071 Nos.
5	30221268A	Non Asbestos Based "K" Type High Friction	8736 Nos.
6	30221671	Entrance Hand Rail Complete	81 Nos.
7	38222319	Control Rod for BOXN wagon Dimensions	3853 Nos.
8	38223404A	Pull Rod Main for BLC	202 Sets
9	38224131	Hand brake pull rod for BOXN HL Wagon	399 Nos.
10	38221624	Vapour Extractor Cock	326 Nos.
11	38221678B	Air hose Coupling Support Duly Assembled	50978 Nos.
12	38224156	Atl Torsion Spring (Steel)	3096 Nos.
13	38223413A	Centre Pivot Top (BLC)	575 Nos.
14	61222041	Set of M.S. M20 hex head bolt (Galvanised)	2205 Sets
15	61222191	Bolt MS black hex head round body	34554 Kgs.
16	80221356	UTS Thermal Paper Ticket Roll	132000 Nos.
17	80221003B	Internal Combustion Engine Crank Case Oils	6300 Litre

Opening Date:- For Sr. Nos. 1 to 17: 20.10.2022.

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर.

कोरोना से बचना है तो दूरी रखो और वैक्सीन लगवाना है जरूरी।

वर्ल्ड हेरिटेज ग्लोबल टू लोकल पुस्तक का विमोचन

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने शुक्रवार को उनके कक्ष में वर्ल्ड हेरिटेज ग्लोबल टू लोकल पुस्तक का विमोचन किया। पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर सूचना एवं जन संपर्क विभाग राजस्थान डॉ.प्रभात कुमार सिंघल, सीनियर सेक्शन इंजिनियर मध्य-पश्चिमी रेल मंडल, कोटा अनुज कुच्छल और शिक्षा अनुवाद पूर्व व्याख्याता अंग्रेजी ने संयुक्त रूप से लिखी है। पुस्तक की प्रस्तावना राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय के संभागीय अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने लिखी है।जिला कलेक्टर ने कहा कि हर नागरिक को देश की विरासत पर गर्व होना चाहिए। एक जगह सभी विरासत को पुस्तक में उपलब्ध कराने के लिए लेखक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि हाड़ौती में उपलब्ध हेरिटेज पर भी काम किया जाना चाहिए। विमोचन अवसर पर उपस्थित पूर्व मंत्री रामगोपाल बैरवा ने कहा की भारत की विरासत वाली यह पुस्तक पर्यटन विकास में उपयोगी होगी। डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव, लेखक अनुज कुमार कुच्छल, एडवोकेट अख्तर खान और वरिष्ठ पत्रकार के.डी. अब्बासी भी उपस्थित थे। लेखक डॉ.सिंघल ने बताया कि पुस्तक में यूनेस्को द्वारा अब तक भारत की घोषित 40 विश्व विरासत को शामिल किया गया है। अंग्रेजी भाषा में संभवत: यह प्रथम अद्यतन पुस्तक है।

विद्यार्थियों को स्टेशनरी दी

कोटा, (निसं)। ग्रामीण क्षेत्र में पीने की पानी को एकत्रित करने के लिए ग्रामीण महिलाओं को मीलो चलकर घड़े को सिर पर रखकर लाना होता है ऐसे में वह बहुत मेहनत कर कुछ लीटर पानी ही एकत्रित कर पाती है। इस समस्या के समाधान के लिए, मुंबई में वाटर ऑन व्हील की थीम पर शहर के इनरव्हील क्लब ने सामाजिक सरोकार में अनोखी पहल की है। मंडाना के पास मुकुंदपुरा गांव की 13 महिलाओं को लुढ़काकर चलाने वाली 45 लीटर की टंकियां निशुल्क दी है। इससे महिलाओं को दूर-दराज से पानी सिर पर रखकर नहीं लाना होगा और एक साथ 45 लीटर आसानी से ला सकेंगी। क्लब अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल ने बताया कि कोटा में यह पहला प्रयोग है। महिलाओं को दूर-दराज हैंडपंप या जोहड़ से पीने के पानी को लाने में आसानी होगी।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल झालरापाटन

क्रमांक/न.पा.झा.पा./भू.उप.परि./2022/4070-73 **विज्ञप्ति** दिनांक:-23.9.2022

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 24 फरवरी 2021 के अंतर्गत बनाये गये भू उपयोग परिवर्तन नियम 2010 (संशोधन 2021) में गठित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से अधोलिखित प्रकरण में भू उपयोग परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है। एतद् यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस भू उपयोग परिवर्तन से कोई आपत्ति हो तो नियत अवधि के भीतर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है। बाद अवधि प्राप्त आपत्तियों पर विचार करना संभव नहीं होगा। शेष जानकारी कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	राजस्व ग्राम/ कस्बा का नाम	नाम आवेदक	खसरा नं. व भूखंड सं.	भूमि क्षेत्रफल वर्गफीट	वर्तमान भू उपयोग	परिवर्तन चाहने वाला भू उपयोग	मास्टर प्लान में भू उपयोग	आपत्ति प्रस्तुत करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	राजस्व कस्बा झा. पाटन स्थित महात्मा गांधी कालोनी झा. पाटन तह. झा. पाटन जिला झालावाड़	श्री कृष्ण मोहन गुर्जर पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह गुर्जर निवासी किसान ट्रेडिंग कम्पनी, मैन मार्केट पुरानी न.पा. के पास झा. पाटन जिला झालावाड़ (राज.)	खसरा नं. 532 में स्थित महात्मा गांधी कालोनी के भूखंड सं. 53	17+130/2x 130+198/2 =12054 वर्गफीट या 1120.26 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ	व्यावसायिक उपयोग हेतु	सड़क मार्गाधिकार छोड़ने के उपरांत फुटकर व्यापार व सामान्य वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ	15 दिवस तक

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका झालरापाटन

बरसात ने किसान को रुलाया, बाजरे की फसल बर्बाद

पशुओं के लिए भी आएगा चारे का संकट

धौलपुर, (निसं)। पिछले कई दिन से धौलपुर जिले में बरसात का दौर जारी है। जिस कारण बाजरे की फसल बर्बाद हो चुकी है। बरसात से खेत में भरे पानी के बीच बाजरे की फसल को सड़ती हुई देख किसानों का हाल बेहाल है और उनका धैर्य जवाब दे रहा है।

इन दिनों ज्यादातर किसानों की फसल की कटाई चल रही थी तथा कुछ की पक्की हुई खेतों में खड़ी थी। इसी दौरान बरसात का दौर शुरू हो गया। जिससे खेत में कटी पड़ी फसल पानी में डूब गई और बर्बाद हो गई। किसान बाजरे की फसल से काफी उम्मीद लगाए बैठे हुए थे और अच्छी पैदावार को लेकर तमाम सपने देख रहा था लेकिन अन्नदाता के सपनों को बरसात ने चकनाचूर कर दिया है।

धौलपुर में बाजरे की खराब हुई फसल दिखाते किसान।

- **फसल बर्बाद होने की जानकारी लेने पर किसान मोबाइल पर ही फफक-फफक कर रोने लगे**

बामनवास उपखंड क्षेत्र सहित जिले में हो रही बेमौसम की बरसात किसानों के लिए आपदा बनकर सामने आई है । बरसात से किसानों की पकी पकाई फसलें खेतों में ही बारिश का पानी भरने से तबाह हो गई। किसान की फसलें बरसाती पानी से दोबारा से अंकुरित हो गई। लगातार कई सालों से विभिन्न आपदाओं से खेती में नुकसान झेल रहे किसान समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर वे खुद को कैसे संभाले एवं हुए नुकसान की भरपाई आखिर कहां से करें । इस बेमौसम की बारिश से खासकर बाजरे की फसल चौपट हुई है । जब किसानों से इस बेमौसम बारिश के बाद उनके खेतों में खड़ी पक्की फसल बर्बाद होने की जानकारी ली गई तो दूरभाष पर ही किसान फफक पड़े। शुक्रवार को किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर सुरेश ओला को जिला मुख्यालय पहुंचकर फसल खराबे की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

खेतों में पड़ी बाजरे की फसल उगने लगी, कड़बी भी हुई खराब

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस-पास के क्षेत्र में 50 से अधिक गांवों में एक सप्ताह से हो रही बारिश से 80 प्रतिशत खराब हुई फसल ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई जगहों पर खेतों में पानी भर गया है। इससे बाजरे की फसल खराब हो रही है। पिछले एक हफ्ते से लगातार हो रही बारिश से पूरे सत्ताईस क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान पर ग्राम सेवा सहकारी समिति चैयरमैन पुष्पा मीणा, वाइस चेयरमैन हरिसिंह शेखावत, प्रधान पूजा चौधरी, नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला पंसारी, भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कन्हैयालाल मीणा, पूर्व सरपंच जगन चौधरी, निर्मल पंसारी , प्रागपुरा जीएसएस चैयरमैन उपेन्द्र सिंह सहित पावटा पंचायत समिति के सरपंच गणों ने किसानों को भारी नुकसान होने पर सरकार से राहत की मांग की।

- **बारिश से किसानों के चेहरे मुरझाए, खेतों में भरा पानी**
- **पिछले एक हफ्ते से लगातार पूरे क्षेत्र में बारिश हो रही है**

वहीं चेयरमैन पुष्पा मीणा ने सरकार से जल्द से गिरदावार रिपोर्ट व फसल नुकसान का उचित मूल्यांकन कर किसानों को उचित मुवावजे की मांग की। बारिश से उपखंड क्षेत्र में बुआई के मुकाबले पैदावार में अधिक गिरावट आने की संभावना है। पावटा उपखंड क्षेत्र सहित कई गांवों में जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। खेतों में पानी भरा हुआ है अब न तो बाजरा बचा है और ना ही पशुओं के लिए चारा। खेतो में कटी पड़ी बजरा की फसल से फिर से बालियां अंकुरित हो गई हैं। खेतों में खडी फसल भी बारिश तथा तेज हवा के कारण पसर गई है। अब क्षेत्र के किसान सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसानों का कहना है कि यही बारिश करीब 1 माह पहले होती तो किसानों को इसका फायदा मिलता।

पावटा क्षेत्र में बाजरे की फसल पानी में तैरती नजर आई।

जैतूसर सरपंच को 2.10 लाख रूपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने दबोचा

ठेकेदार को छह माह से बिलों का भुगतान कमिशन के चक्कर में अटकाये रखा

रींगस, (निसं)। एसीबी जयपुर टीम ने शुक्रवार को रींगस से सटे जैतूसर ग्राम के सरपंच को रंगे हाथो रिश्वत लेते दबोच लिया। रिश्वत की राशी पीड़ित से लेकर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने अपनी कार में रख ली। मौका पाकर टीम ने सरपंच को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम अन्य जगहों पर भी दबीश दे रही है। बाद में गिरफ्तार सरंपच श्रवण कुमार वर्मा को एसीबी रींगस थाने लेकर आई। जहां से बाद में उसे जयपुर ले गई।

एसीबी के निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह ने बताया की एसीबी में एक परिवादी ने अपनी शिकायत दी थी। इस पर एसीबी महानिरीक्षक बीएल सोनी के निर्देशन में उप महानिरीक्षक विष्णुकांत के सुपरविजन में टीम ने मामले का सत्यापन करवाया तो मामला सही शाबित हुआ। इस पर एसीबी की टीम एएसपी आहद खान तथा निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पीडित के साथ जयपुर से रींगस पहुंची। एसीबी ने पीड़ित को दो लाख दस हजार रूपये का बंडल बना कर सौंप दिया।

इसके बाद पीड़ित ने जैतूसर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा से मोबाइल पर सम्पर्क किया तो राशी के साथ एनएच 52 पर गैस गौदाम के सामने लेकर पहुंचने का निर्देश दिया। पीड़ित के पीछे -पीछे एसीबी टीम भी मौके पर पहुंच गई। एनएच 52 पर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने पीड़ित को अपनी कार में बैठा लिया तथा 2 लाख 10 हजार रूपये लेकर अपनी कार में रख लिये। इशारा पाते ही एसीबी टीम ने सरपंच को दबोच लिया ।

जानकारी के अनुसार पीड़ित ठेकेदार है तथा कई ठेके लिये लेकिन

गिरफ्तार सरपंच श्रवण कुमार।

सरपंच ने 20 प्रतिशत कमिशन के चक्कर में बिल अटकाये रखा। पीड़ित 6 माह से सरपंच के चक्कर काट रहा था। हार थक कर उसने एसीबी का रूख किया। बताया जा रहा है कि सरपंच ने पीडित की एक एमानत राशी के 1 लाख रूपये की राशी भी नही लौटाई जा रही। नये ठेके के लिए पीड़ित ने एक लाख रूपये की भी अमानत राशी जमा करवाई लेकिन सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने बकाया बिलों तथा अमानत राशी का भुगतान नही होने दिया।

इसके बादले में 2 लाख 10 हजार रूपये की मांग की गई। पीड़ित ने निर्माण कार्य के करीब 6 लाख रूपये का काम किया था। दो लाख दस हजार रूपये लेते ही टीम ने सरपंच को पकड़ लिया। एसीबी टीम इतना चौकन्ना थी कि किसी भो भनक तक नही लगी और सरपंच को भागने का मौका भी नही दिया। वही एसीबी की दूसरी टीम सरपंच के निवास पर तलाशी ले रही थी।

सुभाष नगर थाने का एएसआई रिश्वत लेते पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर शुक्रवार को चित्तौडगढ़ इकाई द्वारा भीलवाड़ा में कार्यवाही करते हुये विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस, थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा को परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरुद्ध दर्ज प्रकरण में कोई कार्यवाही नहीं करने और मामले रफा-दफा करने की एवज में विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा द्वारा 22 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है, जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की चित्तौडगढ इकाई के पुलिस निरीक्षक दयालाल चौहान के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनकी टीम द्वारा भीलवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया। कार्यवाही के दौरान आरोपी विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा द्वारा परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत राशि स्वीकार की परन्तु एसीबी कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया।

राजस्व अपील अधिकारी का वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

टोंक एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। टोंक एसीबी ने बडी कार्रवाई करते हुए टोंक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी कार्यलय के रीडर को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी गई थी। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई द्वारा शुक्रवार को वरिष्ठ सहायक रीडर न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक लक्ष्मीनारायण को परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

- **परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी थी रिश्वत**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि एसीबी की टोंक इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत की गई कि पैतृक सम्पति के संबंध में चल रहे वाद में मदद करने की एवज में न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक के वरिष्ठ सहायक(रीडर) लक्ष्मीनारायण द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी के महानिदेशक भगवानलाल सोनी के निर्देशानुसार एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक सवाईसिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर शुक्रवार को उनकी टीम द्वारा ट्रेप की कार्यवाही करते हुए लक्ष्मीनारायण पुत्र लालचंद रैगर निवासी मकान नं. 15, चन्द्रलोक होटल के पास टोंक हाल वरिष्ठ सहायक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी टोंक को परिवादी 12 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी के निवास, अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है।

10 करोड़ की जमीन यूआईटी ने कब्जेधारियों से छुड़ाई

बीकानेर, (कासं)। रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया में सिने मैजिक के सामने 10 करोड़ रुपए की करीब डेढ़ बीघा जमीन अब यूआईटी के कब्जे में है। मेन रोड पर स्थित इस जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाकर अतिक्रमण किया हुआ था जिसे पुलिस फोर्स की मौजूदगी में हटा दिया गया है।

किशमीदेसर के खसरा 311 में सीने मैजिक के सामने वाली मेन रोड पर करीब डेढ़ बीघा जमीन पर भूमाफियाओं ने बाउंड्री बाल बनाकर कब्जा कर रखा था। यूआईटी के अधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और दीवार पर बुलडोजर चला दिया। करीब डेढ़ बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाकर अपने कब्जे में ली और वहां यूआईटी का बोर्ड लगा दिया। कार्रवाई के दौरान यूआईटी सचिव यशपाल गंगाशहर थाने का पुलिस जाप्ता और होमगार्ड के जवान मौजूद थे। यूआईटी सचिव आहूजा ने बताया कि कब्जे में ली गई जमीन करीब 10 करोड़ रुपए की है। जमीन के पीछे की तरफ मकान भी बने हैं जो और लोग रह रहे हैं। इन्हें गलत खसरे में मकान बनाने पर चेतावनी दी गई है। पूर्व में इसी रोड पर करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई थी।

नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नागणेची जी मंदिर से नारी निकेतन रोड पर 10 कब्जे हटाए। इसमें तीन दुकानें, दो कुंडियां और बाकी चारदीवारी शामिल है। दरअसल नागणेची मंदिर से नारी निकेतन रोड को वापस दुरुस्त किया जा रहा है। सड़क चौड़ी भी होगी। तीन महीने पहले नापजोख कब्जाधारियों को कब्जे हटाने के लिए नोटिस भी दिया गया था। फिर भी कब्जे नहीं हटे तो गुरुवार को निगम पूरे दलबल के साथ वहां पहुंचा। खुद निगम आयुक्त गोपालराम विरदा भी मौजूद रहे। निगम अधिकारियों का कहना है इन लोगों के पास पट्टा है लेकिन उसके बाहर आकर इन्होंने कब्जा किया है।

बजरी माफिया के खिलाफ पुलिस की रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर में आठ दिन पहले लूणी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन को लेकर माफियाओं में जंग के चलते एक युवक की हत्या की गई थी। जिसके बाद अब पुलिस ने बजरी माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हत्या के दूसरे से दिन से ही कार्रवाई आरंभ कर दी गई। शुक्रवार सुबह पुलिस ने लूणी नदी के शिकारपुरा इलाके में अवैध बजरी माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए नौ डंपर अवैध बजरी के बरामद करने के साथ मौके से एक स्कार्पियो को जब्त किया । अवैध बजरी खनन कर्ता पुलिस पार्टी को आते देख वाहन छोड़कर भाग निकले। बाद में पुलिस ने खनन विभाग की टीम को भी बुलाया। थानाधिकारी ईश्वरवंद पारीक के अनुसार नौ डंपर अवैध बजरी से भरे जब्त किए गए तो एक स्कार्पियो को भी मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने अब कार्रवाई के लिए खनन विभाग अधिकारियों को बुलाया है। डंपरों को जब्त करने के साथ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आरसी लाइसेंस के लिए भटक रहे लोग

बीकानेर, (निसं)। जिला परिवहन कार्यालय राजस्व की दृष्टि से संभाग का सबसे बड़ा कार्यालय है। जहां सैंकड़ों लोग अपने वाहन सम्बन्धी और ड्राइविंग लाइसेंस सम्बन्धी कार्यो के लिए बीकानेर जिला परिवहन कार्यालय पहुंचते हैं। लेकिन बीकानेर परिवहन विभाग के रिक्त पदों ओर आये दिन सर्वर डाउन की समस्या ओर तो जूझ ही रहा था कि अब विभाग में स्मार्टकार्ड छापने वाली निजी कंपनी के पास स्मार्टकार्ड ख़त्म होने की समस्या से ओर पब्लिक को दो -चार होना पड़ रहा है । परिवहन विभाग बीकानेर में पिछले 15 दिन से स्मार्टकार्ड नहीं छप रहे। जिससे वाहनों की आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी काम अटके हुए हैं । लोग अपनी आरसी ओर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विभाग के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनके कागजात अप्रूव्ड हो जाने के बाद भी उन्हे स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने की वजह से प्रिंट हुई आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिल रहे।

उधर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से जब विभाग मे आरसी और डराइविंग लाइसेंस युक्त स्मार्टकार्ड नही मिलने का कारण पूछा जाता तो वे पूरे राजस्थान में ही स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं ।उधर अन्य राज्यों और मुख्य मार्गो पर परिवहन उड़न दस्ता और यातायात पुलिस सघन अभियान चलाकर वाहनों के कागजात के अभाव में वाहन जप्ती अथवा भारी जुर्माना वसूल रही है । स्मार्टकार्ड नहीं मिलने से वाहन चालकों ओर ड्राइविंग लाइसेंसधारी लोगो को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ।

इस सन्दर्भ में बीकानेर सिटीजन ऐशशिएसन के एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा और यातायात अधिवक्ता बनवारी लाल सिगड़ ने बताया कि जिला परिवहन कार्यालय बीकानेर में पिछले पंद्रह दिन से आरसी, ओर मोटर ड्राइविंग लाइसेंस का प्रिंट होने वाले स्मार्टकार्ड नहीं हैं।

54,777 सीटों के लिए जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन

देश की आईआईटी, एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की सीटों की हुई रैंकिंग

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की 54477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउण्ड सीट आवंटन में किसी भी कॉलेज का सीट आवंटन हुआ है, उन्हें 26 सितम्बर को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार जोसा काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड के सीट आवंटन के बाद जारी की गई ओपनिंग व क्लोजिंग रैंक के अनुसार 14703 रैंक वाले छात्र तथा 20 प्रतिशत कोटे के कारण 23 हजार 276 रैंक वाली छात्रा को आईआईटी धारवाड़ की इंट्राडिसिप्लीनरी ब्रांच का आवंटन किया गया। यह ब्रांच इस वर्ष ही प्रारंभ हुई। इसी तरह एनआईटी की जेंडर न्यूट्रल पूल कोटे से क्लोजिंग रैंक 7 लाख 60322 एआईआर पर रही जो कि एनआईटी मिजोरम की मैकेनिकल ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित हुई। इसके साथ ही 8 लाख 80 हजार 196 रैंक पर फीमेल पूल कोटे से एनआईटी मिजोरम की इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित की गई। ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान विद्यार्थियों को सर्वप्रथम अपना इनिशियल सीट अलॉटमेंट इन्फोर्मशन स्लीप डाउनलोड करनी होगी। इसके उपरांत विद्यार्थियों को आगे की काउंसलिंग में जाने के लिए काउन्सलिंग विकल्प फ्रीज, फ्लॉट व स्लाइड चुनना होगा। काउन्सलिंग विकल्प चुनकर विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों 10वीं, 12वीं की अंकतालिका, कक्षा 12वीं का प्रमाण पत्र, कैटेगिरी संबंधित दस्तावेज, मेडिकल सर्टिफिकेट, कैंसिल चौक एवं जेईई मेन या एडवांस्ड के एडमिट कार्ड जैसे दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करनी होगी। अंतिम चरण में विद्यार्थी को सीट असेपटेंस फीस जमा करनी होगी।

फीस जमा कराने के उपरांत जोसा वैरिफिकेशन अथॉरिटी द्वारा विद्यार्थियों के अपलोड किए गए दस्तावेजों को जांच कर उन्हें आवंटित सीट का कन्फर्मेशन दिया जाएगा। अपलोड किए गए दस्तावेजों में त्रुटि पाए जाने पर विद्यार्थियों को क्वेरी के माध्यम से सूचित किया जाएगा। स्टूडेंट्स को आयी क़्वेरी का 27 सितम्बर तक रेस्पॉन्स करना आवश्यक है अन्यथा उनकी मिली सीट निरस्त कर दी जाएगी।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया की ऐसे विद्यार्थी जिन्होने जोसा काउंसलिंग में एनआईटी कॉलेजों के विकल्प भरे हैं, उन्हें स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ के तौर पर 12वीं बोर्ड का पास सर्टिफिकेट या मार्कशीट स्कैन कर अपलोड करनी होगी। केवल आईआईटी की कॉलेज च्वाइस भरने वाले विद्यार्थियों को स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ देने की आवश्यक्ता नहीं है। जिन विद्यार्थियों को प्रथम राउण्ड में कॉलेज का आवंटन नहीं हुआ है। उन्हें ऑनलाइन रिपोर्टिंग व सीट असेपटेंस फीस जमा करने की आवश्यकता नहीं हैं।

प्लाटून कमांडर कैदी को हीटर स्प्रिंग देते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार एक बार फिर सुर्खियों में है। हर बार कैदियों या बंदियों के पास से अवांछिय सामग्री मिलती आई है, मगर इस बार आरएसी का एक कंपनी प्लाटून कमाण्डर ही बंदी को हीटर स्प्रिंग देने जाते पकड़ा गया। जेल प्रशासन की तरफ से इस बारे में अब रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। कंपनी प्लाटून की गिरफ्तारी फिलहाल नहीं बताई गई है।

रातानाडा थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि आरएसी का कंपनी प्लाटून कमाण्डर कल्याण सिंह जोधपुर केंद्रीय कारागाह आया था। बाद में वह जेल के अंदर गया। यहां पर मुख्य प्रहरी चंद्र प्रकाश को संदेह हुआ था। कंपनी प्लाटून कल्याणसिंह एक बंदी रामपाल पुत्र बाबूलाल से मिला और बाद में वार्ड संख्या 12 के बाथरूम में घुस गए। शक होने पर रामपाल बाहर खडा हो गया और कंपनी प्लाटून कल्याण सिंह ने बाथरूम का दरवाजा बंद कर दिया। बाद में खोलने पर चेकिंग में दो पैकेट हीटर स्प्रिंग पाई गई। दोनों पैकेट में दस दस हीटर स्प्रिंग थी। जिसे जेल प्रशासन ने बरामद कर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस वहां पहुंची। घटना में जेल प्रशासन की तरफ से केस दर्ज कराया गया है।

फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा क्षेत्र प्रभावित होगा

पुराने जातिगत समीकरण टूटेंगे, नए बनेंगे

पोकरण, (निसं)। फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा की सात पंचायतों के तीस हजार मतदात प्रभावित होंगे। प्रदेश में सात नए जिले बनाने के प्रस्ताव की तैयारियों के चलते प्रशासनिक स्तर पर प्रस्तावित जिला को लेकर प्रशासन द्वारा कागजी कार्रवाई की जा रही है। राजनैतिक ज्योतिष के अनुसार फलोदी को जिला बनने से टूटेंगी पोकरण विधानसभा की सात पंचायतें, 27 मतदाता बूथ, 77 रेवेन्यू विलेज, 14 पटवार मंडल में से अधिकतर राजपूत एवं बिश्नोई एससी /एसटी के मतदाताओं की संख्या फलोदी जिला बनने पर बदलेगी ।

फलोदी को जिला बनाने पर विधानसभा चुनाव 2028 परिसमन को देखते हुए पोकरण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का गढ़ ढह जाएगा। राजनीतिक ज्योतिष के अनुसार पोकरण विधानसभा क्षेत्र परंपरागत रूप से कांग्रेस की झोली में पक्की हो जाएगी। वही वर्तमान के क्षेत्रीय विधायक सालेह मोहम्मद को अपनी राजनीतिक सीट पक्की करने का जुगाड बनता नजर आ रहा है।

नवगठित पोकरण विधानसभा क्षेत्र के 2008 के चुनाव से लगातार नोख क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में मतदाताओं का रुझान रहा है । फलोदी जिला बनाने के लिए पोकरण विधानसभा क्षेत्र की पंचायतों को शामिल किया जा रहा है। पोकरण विधानसभा का बंटवारा होना तय माना जा रहा है। पोकरण नोख उप तहसील क्षेत्र को हटाकर उसे फलौदी में जोड़े जाने का प्रस्ताव भी लिया गया है। नोख गांव के साथ ही साथ आस-पास के गांव को भी फलोदी से जोड़ने का प्रस्ताव लिया गया है।

नोख क्षेत्र के फलौदी में जाने के साथ ही यहां यहां के बाशिंदों को अधिक लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर नाचना पंचायत समिति से भी कई पंचायतों फलोदी में मर्ज हो जाएंगी। फलोदी को जिला बनाने के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। जिसमें नोख क्षेत्र के साथ पटवार मंडल नोख, बडाणा, मदासर, टावरी और चिन्नू , रायचंद वाला के नाम भिजवाए हैं। उसके साथ ही साथ ग्राम पंचायत हैं जिसमें नोख बडाना, रायचंद वाला, तालरिया,भदडिया, मदासर, भारमसर, टावरी वाला,पन्ना अवाय, शक्तिनगर ,आवाय, चिन्नू जालू वाला ,का नाम शामिल है जिसके लगभग तीस हजार मतदाता फलोदी जिला बनने पर शामिल हो सकते हैं। जिसमें अधिकतर पंचायतों एवं पटवार मंडल के राजपूत बाहुल्य एससी - एसटी एवं विश्नोई समाज के मतदाता जो कि लगातार पोकरण विधानसभा क्षेत्र बनने के साथ ही भाजपा का गढ़ रहा है। फलोदी को जिला बनाने का सीधा असर नोख क्षेत्र के तीस हजार मतदाताओं पर पड़ेगा ।

आम चर्चा यह भी है कि नोख के फलौदी में शामिल होने के कारण क्षेत्र की जनता को लाभ कम नुकसान ज्यादा होगा। जिसमें नोख क्षेत्र की जनता को मुख्यालय से दूरी घट जाएगी सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ मिलेगा। वही नोख उप तहसील को उपखंड मुख्यालय की घोषणा की जा सकती है। फलोदी जिला बनने पर पिछडे क्षेत्र में कई लाभ मिल सकते हैं। वही नाचना उपनिवेशन में सरकारी भूमि आवंटन के लिए भूमिहीन काश्तकारों के आवेदन लोगों को वंचित रहना पड़ सकता है।

सरकारी दस्तावेजों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं जिला परिवर्तन होने के साथ ही जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र में क्षेत्र आएगा। सरकारी दस्तावेजों के साथ ही साथ अन्य सभी कागजात में नोख वासियों को तकलीफ उठानी पड़ेगी। नोख के फलौदी में शामिल होने से क्षेत्र के ग्रामीण पंचायतों में कमी के साथ ही योजनाओं के चल रहे कार्यो के भुगतान में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता संत प्रतापपुरी ने बताया कि पोकरण विधानसभा क्षेत्र की जनता लगातार जिला बनाने की मांग उठा रही है । उसको नजर अंदाज करते हुए राज्य सरकार द्वारा फलोदी को जिला बनाने से परिसीमन क्षेत्र की जनता को नुकसान होगा। वही हाल ही में नोख उपनिवेशन उप राजस्व विभाग क्षेत्र को तोड़कर फलौदी में शामिल कर जिला बनाने से क्षेत्र की जनता को जबरदस्त नुकसान होगा।

जयपुर और करौली में करोना से दो लोगों की मौत

राज्य में शुक्रवार को 81 नए संक्रमित मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण से जयपुर और करौली में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस बीच राज्य में 81 नए संक्रमित मिले हैं। उधर प्रदेश भर में पिछले चौबीस घंटों में 191 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं।

- **जयपुर में 16 नए संक्रमित पाए गए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 191 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं।**

प्रदेश में शुक्रवार को 17 जिलों में 81 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 70 रोगी मिले थे। इधर राजधानी जयपुर में आज 16 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा प्रतापगढ़ में 12, अलवर में 10, सीकर व दौसा में 6-6, उदयपुर में 5, जोधपुर में 4, राजसमंद, बीकानेर, चितौड़गढ़, डूंगरपुर व सिरोही में 3-3, बूंदी व करौली में 2-2 तथा अजमेर, श्रीगंगानगर और कोटा में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 12 हजार 316 सैम्पल लिए गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से दोगुना से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 191 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं। जयपुर में भी आज 37 रोगियों के रिकवर होने से 196 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में भले ही नए संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही लेकिन इस बीमारी से होने वाली मौतों का सिलसिला अभी भी जारी है। पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर और करौली में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही अब तक राज्य में इस बीमारी से 9639 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 12 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए मरीज मालवीय नगर में पाए गए हैं। सांगानेर में 2, बनीपार्क, बस्सी, गोपालपुरा, जगतपुरा, कालवाड़ रोड, करधनी, मानसरोवर, फागी, राजापार्क और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

जयपुर में गुरुवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। रुक-रुक कर हो रही बारिश से वाहन चालक काफी परेशान रहे लेकिन तापमान में गिरावट से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

ज्वैलरी व्यवसायी से साढ़े 47 लाख रुपए की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। रामगंज इलाके में ज्वैलरी व्यवसायी से व्यापार में 47.5 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। जब व्यवसायी ने अपने पैसे मांगे तो आरोपी ने गला दबाया और सिर पर गोली मारने की धमकी दे डाली। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

- **पैसे मांगने पर बदमाश ने गला दबाया और गोली मारने की धमकी दी**

पुलिस के मुताबिक इस संबंध में मैसर्स हिमालय जैम्स फ्रूट मण्डी जौहरी बाजार के राकेश घीया ने बिसातियो का मोहल्ला रामगंज बाजार निवासी अकरम भाई के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज करवाया है। जिसमें बताया कि उसका हिमालया जैम्स के नाम से जौहरी बाजार में सेमी प्रिशियस रफ का व्यापार है। राकेश ने बताया कि वह कई साल से अकरम भाई को जानते है। उन्होंने अकरम भाई को ओपल वजन 365 किलो (तेरह हजार रुपए) प्रति किलो के हिसाब से 21 मई 2019 को बेचा था। इस व्यापार की कुल रकम 47 लाख 45 हजार रुपए थी। व्यापार इसी मोहल्ले के हनीफ भाई की मौजूदगी में तय हुआ था। अकरम ने कहा था कि वह व्यापार के पैसे 3 महीने में देना शुरू कर देगा और 6-7 महीने में पूरा हिसाब चुकता कर देगा। अगर वह हिसाब चुकता नहीं करता है तो पूरा माल वापस लौटा देगा।

क्या सरकार ताली बजाने के लिये घोषणाएं करती है : गुलाब चंद कटारिया

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि जब सरकार के पास पर्यटन विकास कोष में 268 करोड़ रुपये सरकार के पास उपलब्ध थे तो चार वर्ष में केवल 4.68 करोड़ रुपये ही क्यों खर्च हुए। क्या सरकार ताली बजाने के लिये ही घोषणाएं करती है। पैसा उपलब्ध होते हुए भी खर्च नहीं किया। इस पर मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पिछले साल करोना के कारण सबसे ज्यादा असर पर्यटन विभाग पर ही हुआ था। इस कारण खर्च नहीं हो पाया। मीणा ने कहा कि पर्यटन विकास कोष में वर्ष 2022-23 में एक हजार रूपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें से 600 करोड़ रुपए पर्यटन की

- **'जब सरकार के पास पर्यटन विकास कोष में 268 करोड़ रुपये उपलब्ध थे तो चार वर्ष में केवल 4.68 करोड़ रुपये ही क्यों खर्च हुए'**
- **मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पिछले साल करोना के कारण सबसे ज्यादा असर पर्यटन विभाग पर ही हुआ था। इस कारण खर्च नहीं हो पाया। अब तेजी से खर्च कर देंगे**

आधारभूत संरचना को बढ़ाने के लिए तथा 400 करोड़ रूपए राज्य को पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए ब्रांडिंग सहित मीडिया प्लानिंग के लिए आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन को विकास के लिए वर्ष 2020-21 में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया था जिसे वर्ष 2021-22 में 500 करोड़ तथा वर्ष 2022-23 में एक हजार करोड़ रूपए कर दिया गया है।

इससे पहले विधायक अशोक लाहोटी ने प्रश्न किया कि आपने कुल खर्च बताया है वह केवल डेढ़ फीसदी है। इसमें कुछ मद हैं जिन पर खर्चा बता रहे हैं। तीर्थस्थल पर जीरो। चित्तौड़गढ़ में जीरो, शाहपुरा में जीरो, जयपुर में जीरो, बीकानेर में जीरो, नागौर में जीरो। इनमें एक रुपये भी खर्च नहीं किये गये। उन्होंने पूछा कि जब चार साल में मात्र 4.68 करोड़ खर्च हुए हैं तो एक हजार करोड़ रुपये कब तक खर्च करोगे। इस पर मंत्री ने कहा कि करोना के कारण ट्यूरिज्म सबेस ज्यादा प्रभावित हुआ था। और ज्ञी कइ ऐसे कारण थे। नई घोषणा की गई थी। इन सारी प्रक्रियाओं में समय लगा। आने वाले समय में तेजी से खर्चा कर देंगे।

चारागाह भूमि का आवंटन करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चारागाह भूमि का आवंटन सामाजिक संस्था को करने पर राजस्व सचिव और जयपुर कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश रवि कुमावत की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था कि चारागाह भूमि का आवंटन अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद भी राज्य सरकार ने 25 अप्रैल 2011 को एक अधिसूचना जारी कर कलेक्टर को भूमि आवंटन का अधिकार दे दिया। याचिका में कहा गया कि चारागाह भूमि समाप्त होने से इकोलॉजिकल बैंलेस बिगड जाएगा और बेजुबान पशुओं की मौत हो जाएगी। इसके अलावा कानूनन चारागाह भूमि का ना तो किसी को आवंटित किया जा सकता है और ना ही इसका नियमितीकरण या अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग किया जा सकता है। याचिका में कहा गया कि जिले के नरेना कस्बे की चारागाह भूमि पर एक सामाजिक संस्था ने कब्जा कर रखा है। वहीं अब इस भूमि को राज्य सरकार कब्जाधारी सामाजिक संस्था को आवंटित किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजी गई है, लेकिन संस्था के दबाव में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

लम्पी के विरोध में शहीद स्मारक पर किया प्रदर्शन

जयपुर। गोरक्षा संघर्ष समिति चौमूं के तत्वाधान लम्पी बीमारी के विरोध विधानसभा घेराव के लिए बड़ी संख्या में शहीद स्मारक पर एकत्रित हुए। समितिसंयोजक शंकर गोरा ने बताया की विधानसभा घेंराव के लिए निकले के दोरान पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बल प्रयोग किया। इस दोरान क़रीब आधे घंटे तक पुलिस के ने बल प्रयोग किया क़रीब 7 गोरक्षको के चोट आई है। एक गो-रक्षक के आँख पर गंभीर चोट आई है।

- **पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग, कई लोगों के आई चोटें**

पुलिस ने शंकर गोरा, बंशीधर, सुनील जाँगिड, श्याम चोपड़ा, गजेंद्र राठौर, अमित कुमावत, शिवा यादव सहीत 16 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर हरमाडा थाने में ले जाया गया। शंकर गोरा ने बताया की राजस्थान में गौ माता लम्पी रोग से अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। राजस्थान का शायद ही कोई गांव होगा जहां गोवंश इस रोग से अछुती है हजारों हजार की संख्या में गोवंश काल ग्रसित हो चुकी है। गौ माता की यह पीड़ा असहनीय है। दुर्भाग्यपूर्ण है की आपके लिए राजनीतिक रूप से लाभप्रद ना होने के कारण इस रोग के विरुद्ध संघर्ष में राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित प्रयास नहीं किए जा रहे हैं जिससे गौमाता की आत्मा भी सोच रही है कि काश मेरा भी वोट होता। समिति ने प्रमुख माँग की हैं । उनमें प्रत्येक मवेशी की मोत पर पशुपालक को 50,000 रुपए का मुआवजा मिले। गौशालाओं की अनुदान राशि बढ़ाई जाए। संक्रमित गायों के लिए आइसोलेशन सेंटर खोले जाएं। मृतक गायों के लिए अंत्येष्टि का उचित प्रबंध किया जाए। संक्रमण रोकने के लिए पंचायत स्तर पर प्रत्येक गांव में फागिंग में छिड़काव किया जाए। गोरा ने चेतावनी दी सरकार ने मांगे नहीं मांगी तो दुबारा जयपुर में कूच किया जाएगा। इस दौरान उप प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश चौधरी, पूर्व सरपंच सुरेंद्र बोचलिया, कालाडेरा कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अरविंद यादव, महेंद्र यादव, सुरेश गोदरा अनिल निठारवाल, जे.की बागड़ा आदि उपस्थित रहे।

कोटा के तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी पुलिस ने तीन शातिर बदमाशों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। यह गैंग वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रही थी। डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि आरोपी शरणजीत सिंह, प्रीतम गोस्वामी और रुद्रेश मीणा को गिरफ्तार किया है। करधनी थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा के मुताबिक पुलिस को कुछ बदमाशों के गोकुलपुरा फाटक के पास अवैध हथियार लेकर घूमने की सूचना मिली थी। सूचना को पुख्ता करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने तीन युवकों की घेराबंदी कर पूछताछ की। पूछताछ में संदेह होने पर जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास एक देशी पिस्टल, 2 देशी कट्टे, 2 मैगजीन और 8 जिंदा कारतूस बरामद किए। उन्होंने बताया कि ये बदमाश कोटा और कोटा ग्रामीण में फायरिंग की वारदातों में वांछित रहे है। पुलिस ने बचने के लिए ये यहां फरारी काट रहे थे। फिलहाल पुलिस इन बदमाशों से अवैध हथियारों के संबंध में पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है शहर में अवैध हथियार सप्लाई करने वाले नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

रोहित जोशी की अग्रिम जमानत रद्द करने से इनकार

जयपुर, (का.सं.)। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट स्थित एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी को दुष्कर्म मामले में मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दायर अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने रोहित जोशी के खिलाफ ऐसी ठोस साक्ष्य पेश नहीं की है, जिससे साबित हो कि उसने अग्रिम जमानत का दुरुपयोग किया हो।

दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया कि आरोपी रोहित प्रभावशाली है और वह पीड़िता को धमका रहा है। आरोपी का संबंध हार्डकोर अपराधियों से भी है। इसलिए पीडिता की सुरक्षा कारणों से रोहित को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द किया जाए। वहीं आरोपी की ओर से कहा गया कि वह जांच में सहयोग कर रहा है और उसने अग्रिम जमानत का दुरुपयोग नहीं किया है। इसके अलावा राजस्थान हाईकोर्ट ने पीडिता को सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दे रखे हैं। गौरतलब है कि रोहित जोशी के खिलाफ पीडित युवती ने मई महीने में दिल्ली पुलिस को रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा था कि रोहित ने शादी का झांसा देकर जनवरी 2021 से अप्रैल 2022 तक उसका शारीरिक शोषण किया है। एफआईआर में कहा कि रोहित मंत्री का बेटा है और उसे राजस्थान पुलिस पर भरोसा नहीं है।

रोहित रंग में लौटे, भारत ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

वर्षा बाधित दूसरे मैच में भारत 6 विकेट से जीता

नागपुर, 23 सितंबर। भारत ने रोहित शर्मा (46 नाबाद) की विस्फोटक पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को वर्षाबाधित दूसरे टी20 मैच में शुक्रवार को छह विकेट से मात दी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने आठ ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे रोहित की टीम ने 7.2 ओवर में हासिल कर लिया।

जब लोकेश राहुल (10), विराट कोहली (10), सूर्यकुमार यादव (शून्य) और हार्दिक पांड्या (09) बड़ा योगदान देने में असफल रहे तब रोहित ने कदम आगे बढ़ाया और 20 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ 46 रन की कप्तानी पारी खेली। भारत को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिये थे और क्रीज पर नये-नये आये दिनेश कार्तिक ने एक छक्के के बाद एक चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की शृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है।

रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के 90 रन के जवाब में भारत को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और पहले ओवर में 20 रन जोड़े। राहुल के आउट होने से पहले दोनों के बीच 17 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी हुई। भारत चार ओवर में 51 रन बनाकर सहज था लेकिन ऐडम ज़ैम्पा ने पांचवें ओवर में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को आउट करके मैच को रोमांचक बनाया।

ज़ैम्पा ने अपने दो ओवरों में 16 रन देकर तीन विकेट झटके, लेकिन उनका प्रयास बेकार रहा और भारत ने चार गेंदें रहते हुए यह मैच जीत लिया। यह साल 2022 में भारत की 20वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। भारत ने इसी के साथ एक साल में सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय जीतने के पाकिस्तान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिसने 2021 में 20 मुकाबलों में विजय हासिल की थी।इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। ऐरन फिंच ने पारी की दूसरी ही गेंद पर विकेटकीपर के सर के ऊपर से चौका मारकर अपने मंसूबे साफ कर दिये।

दूसरे ओवर में कैमरन ग्रीन (पांच) और ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) के आउट होने के बावजूद फिंच ने तेजी से रन बनाना जारी रखा। अक्षर पटेल ने अपने आखिरी ओवर में टिम डेविड को भी न्यून स्कोर पर आउट किया और 13 रन के बदले दो विकेट लेकर अपना दो ओवर का स्पेल समाप्त किया। फिंच एकतरफा ऑस्ट्रेलिया की पारी को आगे बढ़ा रहे थे लेकिन चोट से उभर कर टीम में वापस आये जसप्रीत बुमराह ने उन्हें बोल्ड करके पवेलियन लौटाया। फिंच ने आउट होने से पहले 15 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का जड़कर 31 रन बनाये।

इसके बाद मैथ्यू वेड और स्टीव स्मिथ ने पांचवें विकेट के लिये 18 गेंदों पर 44 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को आठ ओवर में 90 रन के स्कोर तक पहुंचाया। स्मिथ आठवें ओवर की आखिरी गेंद पर रन आउट हो गये लेकिन इससे पहले वेड के तीन छक्कों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इस ओवर में 19 रन जोड़ लिये। वेड ने 20 गेंदें खेलकर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ ताबड़तोड़ 43 रन बनाये जबकि स्मिथ ने आठ रन बनाने के लिये पांच गेंदें खेलीं।

कमर की चोट के कारण शरत हटे, मनिका और साथियान सेमीफाइनल में

सूरत, 23 सितंबर। अचंत शरत कमल कमर की चोट के कारण अंतिम आठ के मुकाबले से हट गए जबकि जी साथियान और मनिका बत्रा जैसे भारत के शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय खेलों में अपने-अपने मुकाबलों में जीत के साथ सेमी फाइनल में जगह पक्की की। शरत हरियाणा के सौम्यजीत घोष के खिलाफ 2.1 से आगे थे और चौथे सेट में 6.1 से आगे चल रहे थे लेकिन उन्होंने चिकित्सा सहायता लेने के बाद मुकाबला छोड़ने का फैसला किया।

दूसरी ओर साथियान ने मानव ठक्कर को 4.1 से हराया । अब उनका सामना हरमीत देसाई से होगा जिन्होंने दीपित पाटिल को 4.1 से मात दी। गुजरात के मानुष शाह भी एफ आर स्नेहित को हराकर अंतिम चार में पहुंच गए । मनिका ने कृत्विका सिन्हा रॉय को 4.2 से हराया जबकि श्रीजा ने अयहिका मुखर्ती को 4.0 से मात दी । इससे पहले शरत ने पुरुष एकल में पश्चिम बंगाल के जीत चंद्रा को 4-2 (7-11, 11-6, 8-11,11-7, 11-6, 11-6) से हराया, वहीं साथियान ने पश्चिम बंगाल के रोनित भांजा पर इसी अंतर (7-11, 11-8, 7-11, 11-6, 11-9, 11-6) से जीत दर्ज की। महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में हालांकि मनिका बत्रा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। मनिका ने करीबी मुकाबले में कर्नाटक की कुशी वी को 4-3 (4-11, 11-8, 12-10, 4-11, 11-5, 8-11, 11-7) से मात दी थी ।

वाडा ने ट्रामाडोल के सेवन पर लगाया प्रतिबंध

सिडनी 23 सितंबर। आस्ट्रेलिया के सिडनी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को दर्द निवारक दवा ट्रामाडोल को 2024 में एथलीटों के लिये प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल करने का एलान किया है और कार्यकारी समिति की दूसरी बैठक के बाद गांजा पर प्रतिबंध बरकरार रखा है। वाडा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, ट्रामाडोल का बेजा इस्तेमाल और गांजा और अफीम की लत चिंता का विषय है और यही कारण है कि कई देशों में इसे नियंत्रित दवा बना दिया गया है। वाडा ने अध्ययनों के आधार पर भी शारीरिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए ट्रामाडोल की क्षमता की पुष्टि की है। वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा मैं आज कार्यकारी समिति के सदस्यों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक की चर्चा से संतुष्ट हूँ। संबंधित विशेषज्ञों की सिफारिशों पर पूरी तरह विचार करने के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें 2023 निषिद्ध सूची को मंजूरी भी शामिल है।

उच्चतम न्यायालय ने बीसीए की एजीएम 25 बुलाने की अनुमति दी

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बिहार क्रिकेट संघ की आमसभा की सालाना बैठक 25 सितंबर को बुलाने को मंजूरी दे दी । जस्टिस डी वाय चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की पीठ ने निर्देश दिया कि पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजे सीलबंद कवर में उनके समक्ष रखे जायें। पीठ ने कहा ," निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बीसीए की एजीएम 25 सितंबर को होगी ।"

विवेक, छेत्री की तिकड़ी, वायुसेना और सुदेवा जीते

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। विवेक कुमार और रमेश छेत्री की तिकड़ियों की मदद से भारतीय वायुसेना और सुदेवा दिल्ली एफसी ने क्रमशः बंगा दर्शन और उत्तराखंड फुटबाल क्लब को हरा कर दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वायुसेना ने तरुण संघा को 4-1 से और सुदेवा ने उत्तराखंड को 6-1 से हराया। पहले मैच के मध्यांतर तक सुदेवा 2-1 से बढ़त बनाए थी। रमेश छेत्री के तीन शानदार गोलों के अलावा श्रीदार्थ और लाल बियकलियाना (2) ने बाकी गोल बांटे। इस जीत के साथ सुदेवा ने 18 मैचों में 31 अंक बना लिए हैं लेकिन ख़िताब जीतने की उम्मीद कम रह गई है। भारतीय वायुसेना और तरुण संघा के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। तरुण संघा ने जोय मेस्सी के गोल से शुरुआती बढ़त ली लेकिन वायुसेना के सदाबहार स्ट्राइकर विवेक कुमार ने दनादन चार दर्शनीय गोलों से तरुण संघा से पूरे अंक छीन लिए। विवेक का हर गोल पहले से बेहतर रहा।

पाक की जीत पर अफरीदी ने आलोचकों से ली चुटकी

कराची 23 सितंबर। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में मिली शानदार जीत से उत्साहित पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आलोचकों से चुटकी लेते हुए कहा कि कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर ओपनर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बेहद स्वार्थी खिलाड़ी हैं जो मैच को आखिरी ओवर तक ले गये। दरअसल, पिछले कुछ समय से कप्तान बाबर आजम की फार्म और रिजवान के स्ट्राइक रेट को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। एशिया कप में हालांकि शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद टीम को फाइनल में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था जिसके आलोचना के सुर और मुखर हो गये थे। गुरुवार को बाबर आज़म (110) और मोहम्मद रिज़वान (88) के बीच हुयी 203 रन की साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में 10 विकेट से मात दी। उसे यह जीत 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर मिली थी। जीत से उत्साहित शाहीन अफरीदी ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुये ट्वीट किया, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमें कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान से छुटकारा मिल जाना चाहिए, कितने सेल्फिश खिलाड़ी हैं दोनों, अगर सही से खेलते तो मैच 15 ओवर में ही समाप्त हो जाना चाहिए था मगर ये दोनों आखिर तक ले गए। इसको लेकर आंदोलन छेड़ा जाए ना। ट्वीट के आखिर में उन्होने लिखा इस शानदार पाकिस्तानी टीम पर गर्व है। गौरतलब है कि यह दूसरा मौका है जब पाकिस्तान ने टी20 मैच में बगैर विकेट खोए लक्ष्य का पीछा करने में सफलता हासिल की है। इससे पहले उसने 2021 विश्व कप में भारत के खिलाफ 10 विकेट से जीत हासिल की थी। टी-20 श्रृंखला की तीसरा मुकाबला आज यानी शुक्रवार को कराची में खेला जायेगा।

भारतीय महिला गोल्फरों की आयिरिश ओपन में निराशाजनक शुरुआत

ड्रोमोलैंड कासल, 23 सितंबर। वाणी कपूर, त्वेसा मलिक, अमनदीप द्राल और दीक्षा डागर की भारतीय चौकड़ी ने केपीएमजी महिला आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में शुक्रवार को निराशाजनक शुरुआत की। सत्र में शानदार लय में चल रही वाणी और दीक्षा 72 के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त 67वें स्थान पर है। त्वेसा एक ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 78वें जबकि अमनदीप दो ओवर 74 के स्कोर के साथ संयुक्त 93वें स्थान पर है। इन चारों खिलाड़ियों को कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

सिंगापुर के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले में झिंगन का खेलना तय नहीं

हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) , 23 सितंबर। सिंगापुर के खिलाफ शनिवार को भारतीय टीम के पहले दोस्ताना फुटबॉल मैच में सीनियर डिफेंडर संदेश झिंगन को आराम दिया जा सकता है ।

झिंगन और चिंगलेनसना सिंह वीजा संबंधी मसलों के कारण टीम के साथ नहीं आये और शुक्रवार को सुबह तीन बजे ही यहां पहुंच सके हैं । टीम सूत्रों के अनुसार मुख्य कोच इगोर स्टिमक पहले मैच में झिंगन को आराम दे सकते हैं और वियतनाम के खिलाफ अगले मैच में ही उन्हें उतारेंगे । स्टिमक ने कहा कि सिंगापुर ने पिछले कुछ साल में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारत उसे हरा सकता है। उन्होंने कहा ," सिंगापुर के पास नया कोच है और उन्होंने काफी बदलाव किये हैं जिससे विरोधी टीमों को मुश्किलें पेश आ सकती है लेकिन मैं अपने खिलाड़ियों से पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलने के लिये कहूंगा ।"

जून में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में कामयाबी के बाद भारतीय टीम का यह पहला टूर्नामेंट है। स्टिमक ने कहा कि एएफसी क्वालीफायर में मिली सफलता लगातार चल रही प्रक्रिया का नतीजा है जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चयन के लिये गुजरना होता है।

टिकट को लेकर मची भगदड़ के मामले में तीन एफआईआर दर्ज

हैदराबाद 23 सितंबर। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां खेले जाने वाले टी-20 क्रिकेट मैच की टिकट को लेकर मची भगदड़ के मामले में पुलिस ने पूर्व भारतीय कप्तान एवं हैदराबाद क्रिकेट संघ अध्यक्ष मोहम्मद अजहरूद्दीन एवं अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यहां कहा कि क्रिकेट प्रशंसकों की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने गुरुवार रात एफआईआर दर्ज की है। प्रशंसकों का आरोप है कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खेले जाने वाले टी-20 मुकाबले की टिकट को लेकर कालाबाजारी की जा रही है और क्रिकेट संघ इस मामले में लापरवाह बना हुआ है। यह भी आरोप है कि सिकंदराबाद स्थित जिमखाना ग्राउंड पर टिकट बिक्री केन्द्र पर बेहद खराब इंतजाम किये गये थे जहां अराजक तत्वों का बोलबाला था। गौरतलब है कि टिकट बिक्री के दौरान भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गये थे जिसमें दो महिलाओं समेत छह लोग घायल हुये जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बारिश होने से किसानों की फसलें हुई खराब

मसूदा क्षेत्र में विशेष रूप से उड़द की फसलों में भारी नुकसान

सरवाड़, (निसं)। शहर सहित आस-पास के गांवों में दोपहर बाद तेज गर्जना के साथ बारिश होने से खेतों खलियान में पड़ी कटी हुई फसल खराब हो गई। बारिश होने से मूंग, ज्वार, बाजरा, उड़द तिल आदि फसलें खराब हो गई जिससे किसान चिंतित नजर आ रहा है। किसानों ने बताया कि फसलें खराब होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। खेतों में पानी पानी भर गया जिससे कटी हुई फसलें भी बर्बाद हो गई।

मसूदा कस्बे सहित आस-पास के क्षेत्र में शुक्रवार सुबह से ही कहीं रिमझिम तो कहीं मध्यम तेज बरसात हुई। वहीं गुरुवार रात्रि में भी लगातार रुक रुककर बरसात होती रही। शुक्रवार दोपहर से ही कस्बे सहित क्षेत्र में बादलों की गर्जना के साथ तेज मूसलधार बारिश हुई। वहीं दोपहर तक कभी मध्यम दर्जे की बरसात तो कभी रिमझिम बरसात होती रही जिससे संपूर्ण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। किसानों ने बताया कि ज्यादा बारिश से विशेष रूप से उड़द की फसलों में भारी नुकसान है।

बारिश होने से कटी हुई बाजरे की फसल पानी में तैरने लगी।

छत से गिरकर मजदूर की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं.)। शहर के सूरतगढ़ रोड पर बन रहे सरकारी मेडिकल कॉलेज की छत से गिरकर शुक्रवार को मजदूर की मौत हो गई। मजदूर कॉलेज के ए ब्लॉक में बनी बिल्डिंग की छठी मंजिल पर सीढ़ि यों के आगे बने छज्जे से सामान उतार रहा था। इसी दौरान छज्जे सहित वह नीचे आ गिरा। नीचे गिरते ही उसे आसपास के लोगों ने संभाला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मजदूर शिवनंदन

- **सामान उतारते समय छठी मंजिल से गिरा मजदूर**

कुमार बिहार के खगरिया में गांव सलीमपुर का रहने वाला था। वह पिछले कुछ समय से मेडिकल कॉलेज में मजदूरी कर रहा था। वह मेडिकल कॉलेज कैंपस में बने अस्थाई मकानों में रह रहा था। शुक्रवार सुबह वह अन्य दिनों की तरह मेडिकल कॉलेज में मजदूरी के लिए गया था।

सदर थाने के धर्मवीरसिंह ने बताया कि शिवनंदन मेडिकल कॉलेज के ए ब्लॉक में छठी मंजिल पर काम कर रहा था। वह छठी मंजिल पर सीढ़ि यों से ऊपर की तरफ बने छज्जे पर काम कर रहा था। इसी दौरान छज्जे सहित नीचे आ गिरा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आसपास के लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दो माह पहले मेडिकल कॉलेज की निर्माणाधीन बिल्डिंग में श्रीगंगानगर में शुगर मिल के पास रहने वाली ममता पत्नी नवीन की मौत हुई।

छह करोड़ रूपये की ठगी करने का आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

रियल स्टेट एण्ड ऐलाइट लिमिटेड कम्पनी के नाम पर वर्ष 2009 से 2015 तक की ठगी

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने कामां क्षेत्र के लोगों से करीब 6 करोड़ की ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज भरतपुर गौरव श्रीवास्तव व जिला पुलिस अधीक्षक श्यामसिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय हिम्मत सिंह एवं वृत्ताधिकारी वृत शहर सतीश वर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी रामनाथ सिंह के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक धारा सिंह मय जाप्ता द्वारा थाने में दर्ज प्रकरण के वांछित आरोपी बालकिशन पुत्र माधव सिंह जाति कुशवाहा उम्र 30 साल निवासी जमालपुर थाना कौलारी जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में पांच आरोपी बनवारी लाल उर्फ बी.एल., शिवराम, जीतेन्द्र, बनवारीलाल व विजेन्द्रपाल सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण के वांछित आरोपियों की तलाश जारी है। बीएल कुशवाहा व उसके अन्य साथियों द्वारा गरिमा रियल स्टेट एण्ड ऐलाइट लिमिटेड कम्पनी के नाम पर वर्ष 2009 से 2015 तक भरतपुर जिला के कामां क्षेत्र के लोगों से धोखाधाडी पूर्वक फर्जकारी से करीब 6 करोड़ रूपये लेकर बदले में विभिन्न जगहों पर भूखण्ड देने का झूंठा वादा कर वर्ष 2015 में गरिमा रियल स्टेट एण्ड ऐलाइट लिमिटेड कम्पनी को बन्द कर दूसरे राज्यों में अन्य नाम से कम्पनी खोल ली गई। निवेशकों को ना तो उनका पैसा वापिस लौटाया गया और ना ही भूखण्ड दिये गये। मुलजिमानों द्वारा इस प्रकार की घटना को देष के विभिन्न राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ , मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश में अंजाम दिया गया।

एसडीएम की समझाइश के बाद शव लेने पर सहमति बनी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना कोतवाली थाना इलाके के रामलीला मैदान चौराहे पर करंट लगने से कुल्फी बेचने वाले मृतक अशोक की मौत का मामला गरमा गया। गुसाई परिजनों ने शव लेने से इंकार करते हुए मांगों को लेकर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए थे। मामले को लेकर तहसीलदार दिनेश शर्मा, बिजली विभाग एक्सईएन रामसिंह यादव सहित कोतवाल लक्ष्मीनारायण समझाइश की लेकिन मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन जारी रहा। देवसेना अध्यक्ष लालचंद ने बताया कि नगरपालिका व बिजली विभाग की लापरवाही से मृतक अशोक की मौत हुई हैं।

हमारी प्रशासन से मांग है कि मृतक के परिजनों को 50 लाख मुआवजा दिया जाए। बुजुर्ग माता पिता सहित बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी ली जाए। परिजनों में एक सरकारी नौकरी दी जाए, साथ ही दोषी प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई हो। घंटों बाद एसडीएम बृजेश गुप्ता मौके पर पहुंचकर धरना दे रहे लोगों से वार्ता कर चिरंजीवी दुर्घटना योजना का लाभ, पेंशन सहित सरकारी योजना का लाभ दिलाने को लेकर समझाइश की, जिसपर सहमति बनी। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। इस दौरान जिला पार्षद सुमित नानगवास, सरपंच सुरेश खैरवा, गजानंद सैनी, विजय माली सहित कई लोग मौजूद रहे।

नीमकाथाना कोतवाली पुलिस ने समझाइश कर मामला शांत कराया।

टोंक में फसल खराब होने के कगार पर

टोंक (नि.स.)। जिला मुख्यालय सहित आस-पास क्षेत्रो में शुक्रवार को सुबह से ही बारिश का दौर चला और बारिश के चलते लोगों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हुए। बारिश की वजह से किसानों की फसले खराब होने की स्थिति में आने लगी है।

जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को सुबह से ही बारिश का दौर चलता रहा है और आसपास के गांवो में भी बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के चलते सुबह से लोग अपने रोजमर्रा के कार्यो को करने में परेशान होते नजर आएं। वही दोपहर तक बारिश का दौर चलने के बाद थोडी देर बारिश रुकी रही और उसके बाद ढाई बजे से फिर से बारिश का दौर शुरु हो गया और करीब आधे घंटे तक बारिश का दौर चला।

रुक-रुक बारिश का दौर चलते रहने व बादल छाएं रहने से मौसम में ठंडक का अहसास हुआ। वही बारिश की वजह से इस समय किसानों की खेतो में तैयार हुई बाजरे व ज्वार की फसलों का नुकसान होने लगा है। बारिश को देखते हुए किसान बाजरे व ज्वार की फसल की कटाई में लग गए है। पिछले दो दिन से हो रही बरसात ने कटी हुई फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है जिससे किसानों की करी करायी मेहनत पर पानी फिर गया है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

हिंडौन सिटी, (निस) । सूरौठ के चौधरिया का नंगला के पास गत रात ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की शिनाख्त के बाद शुक्रवार दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। सूरौठ थाना पुलिस के अनुसार रेलवे कस्बे के समीप चौधरिया का नगला के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव पड़ा हुआ होने की सूचना मिली। सूचना के बाद थाना अधिकारी शरीफ अली एएसआई ओमी राय सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। इधर सूचना के बाद रेलवे पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक के शव को शिनाख्त के लिए शहर के मोहन नगर स्थित जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया।

शिक्षकों की कमी, ग्रामीणों ने स्कूल पर लगाया ताला

बाप, (निसं)। जोधपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जोड में एक शिक्षक की प्रतिनियुक्ति रद्द करने व शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर शुक्रवार को विद्यालय पर ताला जड़ प्रदर्शन किया। तालाबन्दी की सूचना मिलने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दूरभाष पर ग्रामीणों व एसएमसी अध्यक्ष से बात कर प्रतिनियुक्ति रद्द करने का ठोस आश्वासन दिया, तब ग्रामीणों ने स्कूल पर लगा ताला खोल दिया जल्द आश्वासन मिलने की वजह से ज्यादा समय तक स्कूल बंद नही रही।

एसएमसी अध्यक्ष बशीर खान ने बताया कि स्कूल में एक शारीरिक शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर है। इसके अलावा प्रिंसिपल सहित द्वितीय ग्रेड के विज्ञान, गणित व अंग्रेजी विषय के शिक्षक तथा प्रथम ग्रेड के राजनीतिक विज्ञान व उर्दू विषय के शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। जिस वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने व शारीरिक शिक्षक की प्रतिनियुक्ति रद्द करने की मांग को लेकर ग्रामीणों के साथ स्कूल के बच्चे भी धरने में बैठे। सूचना मिलने पर एसीबीईओ अशोक कुमार पुरोहित ने दूरभाष पर ग्रामीणों से बात की प्रतिनियुक्ति निरस्त करने व रिक्त पदों पर अध्यापकों की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया तब ग्रामीणों ने स्कूल का ताला खोल दिया।

अशोक कुमार पुरोहित, एसीबीईओ प्रथम, फलोदी का कहना है कि तालाबंदी होने नही दी। मैंने दूरभाष पर तुरंत बात कर ग्रामीणों को आश्वस्त कर दिया था। शारीरिक शिक्षक को वापिस मूल स्थान भेजने के लिए पीईईओ को कह दिया है।

बाप के निकट जोड में स्कूल के मुख्य द्वार पर ग्रामीणों ने ताला लगाकर प्रदर्शन किया।

स्टेशन मास्टर को हटाने के निर्देश जारी

- **शीघ्र ही होगा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प, बनेगी नई बिल्डिंग, मिलेगी वेटिंग हॉल सहित आधुनिक सुविधाएं**
- **जोधपुर मण्डल की डीआरएम गीतिका पाण्डे ने सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया**
- **रेलवे स्टेशन पर गंदगी देख डीआरएम ने की कार्रवाई**

सुजानगढ़, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मण्डल की डीआरएम गीतिका पाण्डे ने सुजानगढ पहुंच कर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया तथा सफाई की अव्यवस्था को देख कर नाराजगी प्रकट की। डीआरएम ने स्टेशन मास्टर उमाराम चौधरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एडीएन को स्टेशन मास्टर को हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पानी की टूंटी में लिकेज व कैंटीन की दुकान बंद मिलने तथा स्टेशन परिसर में फालतू ड्रम रखा हुआ देख कर डीआरएम ने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान स्टेशन मास्टर उमाराम चौधरी बार-बार सफाई दे रहे थे, लेकिन डीआरएम उनसे संतुष्ट नहीं हुई।

डीआरएम ने बताया कि सुजानगढ रेलवे स्टेशन के पूर्ण कायाकल्प के लिए रेल मंत्रालय से स्वीकृति मिल चुकी है। जिसके तहत यहां पर शीघ्र ही नई बिल्डिंग और वेटिंग हॉल सहित अनेक आधुनिक सुविधाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। भाजपा मण्डल अध्यक्ष पवन माहेश्वरी, उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया, पार्षद पंकज घासोलिया, विजय चौहान, अरविन्द बोचीवाल, कमल डागा, दिग्विजय पाण्डे, हर्ष जालान, अनुराग अग्रवाल, संदीप पंवार आदि ने डीआरएम का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया, जबकि संतोष बेडिया ने शॉल ओढाया। किराणा मर्चेण्ट एसोसियेशन के अध्यक्ष पवन माहेश्वरी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में जोधपुर से गंगानगर वाया सुजानगढ होते हुए नई ट्रेन, मेडता रोड से बीकानेर वाया सुजानगढ होकर नई ट्रेन संचालित करने की मांग की गई है।

अग्रवाल मित्र मंडल संस्थान के हर्ष जालान ने ज्ञापन सौंपकर वोकल फोर लोकल को बढावा देने के लिए सुजानगढ रेलवे प्लेटफार्म पर स्थानीय उत्पादों की स्टॉल लगवाने की मांग की। उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपकर लाडनू रोड पर स्थित रेल फाटक संख्या सी 22 से सी 24 के मध्य आरयूबी निर्माण की मांग की। जिस पर डीआरएम ने कहा कि मेरे साथ आए एडीएन इस हेतु अलग से फिजिकल वेरीफिकेशन करेंगे। डीआरएम ने कहा कि इस हेतु जिले के सांसद से भी अनशंषा करवाई जा सकती है।

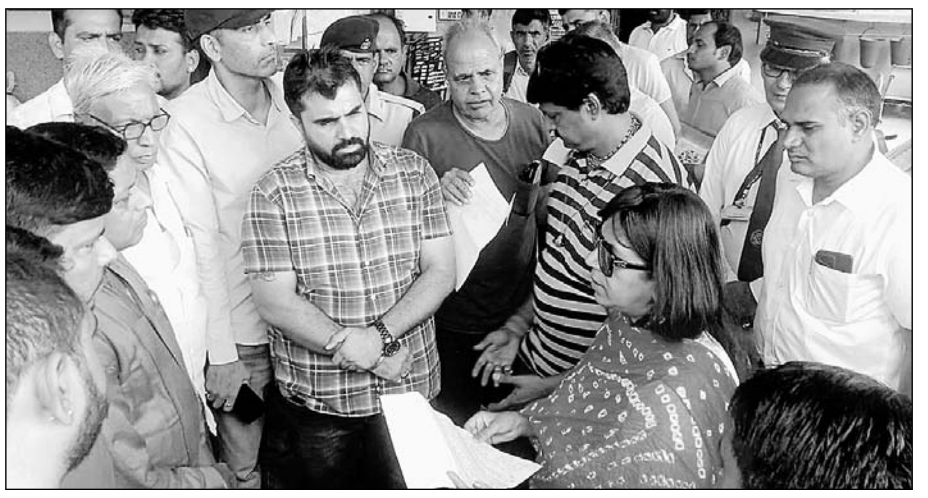
सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान डीआरएम को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता।

देशनोक में रुकेंगी तीन ट्रेनें

बीकानेर, (कासं) । नवरात्रि पर बीकानेर आने वाली तीन रेलगाड़ियों को दो नए स्टेशन पर रोका जा रहा है। इसमें दिल्ली से आने वाली रेल अब हरियाणा के कनिना खास स्टेशन पर रुकेगी जबकि बीकानेर-दादर और जोधपुर-जम्मूतवी को देशनोक पर रोका जाएगा।

गाडी संख्या 14707, बीकानेर-दादर रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 25 सितम्बर से तीस सितम्बर तक सवा आठ बजे आगमन कर 08.17 बजे प्रस्थान करेगी तथा एक अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक 11.40 बजे आगमन कर 11.42 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 14708, दादर-बीकानेर रेल सेवा देशनोक स्टेशन पर दिनांक 24 सितम्बर से दिनांक 30 सितम्बर तक 10.28 बजे आगमन कर साढ़े दस बजे प्रस्थान करेगी तथा एक अक्टूबर से दिनांक चार अक्टूबर तक 13.31 बजे आगमन कर 13.33 बजे प्रस्थान करेगी।

गाडी संख्या 14888, बाडमेर-ऋषिकेश रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 25 सितम्बर से पांच अक्टूबर तक 15.10 बजे आगमन कर 15.12 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 14887, ऋषिकेश-बाडमेर रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक 11.20 बजे आगमन कर 11.22 बजे प्रस्थान करेगी। तथा एक अक्टूबर से चार अक्टूबर तक 11 बजे आगमन कर 11.02 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 19225, जोधपुर-जम्मूतवी रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 25 सितम्बर से 30 सितम्बर तक 11.02 बजे आगमन कर 11.04 बजे प्रस्थान करेगी। एक अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक 10.34 बजे आगमन कर 10.36 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 19226, जम्मूतवी-जोधपुर रेलसेवा देशनोक पर 24 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक 15.55 बजे आगमन कर 15.57 बजे प्रस्थान करेगी।

भूमि पूजन से दो माह बाद भी सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं, लोगों में रोष

हिण्डौन सिटी, (कासं.)। सड़क निर्माण के लिये किये जा चुकेबभूमि पूजन के दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी संवेदक द्वारा 19 करोड़ की लागत से शहर के मुख्य मार्ग कोतवाली थाने से ओवरब्रिज तक और 27 करोड़ की लागत से 22 गांवों में बनने वाली सड़कों का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है। जिससे आमजन में रोष व्याप्त है।

उल्लेखनीय है कि इस सड़क के निर्माण का कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा संवेदक दौसा की बालाजी इंफ्रास्टक्चर कंपनी को दिया गया है । दो माह गुजर जाने के बाद भी संवेदक द्वारा शुरू तक नही किया गया है । जबकि कार्य चालू करने के लिए तीन बार रिमाइंडर नोटिस भी दिया जा चुका है। उसके बावजूद भी संवेदक द्वारा ना तो आरएमसी का प्लांट लगाया गया है, ना ही किसी तरह का कार्य शुरू किया गया है । जबकि टेंडर होने के एक पखवाड़े के अंदर संवेदक को निर्माण कार्य शुरू करना पडता है। गौरतलब है कि विधायक की अनुशंसा पर 19 करोड़ और 27 करोड़ की योजना से बनने वाली सड़कों का अनावरण विधायक भरोसी लाल द्वारा 2 माह पूर्व कर दिया गया और विभाग द्वारा आश्वासन दिया गया कि 15 दिन के अंदर में सडक निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि 27 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क से 22 गांव को सुगम रास्ता मिलना था और 19 करोड़ की लागत से हिंडौन शहर वासियों को कोतवाली से आरओबी तक सुगम रास्ता मिलना था, लेकिन संवेदक की लापरवाही और विभाग की सांठ-गांठ के चलते लोगों को जर्जर और बदहाल सड़क से गुजरना पड़ रहा है।

आम जनता ने कहा कि सडक बने या ना बने, लेकिन अधिकारी और नेताओं के मकान जरूर बनेंगे। क्योंकि जब सरकार की तरफ से बजटपास हो गया है और सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए अनावरण कर दिया गया है, तो उसके बाद भी लेट जाती थी। का कारण क्या समझा जाए। प्रतिदिन हजारों की तादाद में लोग आवागमन करते हैं और जर्जर बदहाल सड़क से लोगों को गुजरना पडता है। ऐसे में संवेदक और विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों मिलकर सांठ-गांठ कर आम जनता को चूना लगाने का काम कर रहे हैं। विभाग द्वारा 19 करोड़ की लागत से बनने वाली सडक के लिए संवेदक को 14 करोड़ 91 लाख 89 हजार 342 रुपए का टेंडर 11 जुलाई 2022 को दिया गया। जिसमें 20 मई 2023 तक कार्य पूर्ण करने का अनुबंध है। सडक निर्माण के लिए विधायक द्वारा अनावरण भी कर दिया गया।

हिण्डौन में सर्किल के पास बदहाल पड़ी सड़कें।

टक्कर से बैलगाड़ी पर सवार महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। बैलगाडी पर सवार होकर खेत से आ रही हमीरवास थाने के गाँव नीमां निवासी एक महिला के वाहन चालक द्वारा तेजगति व लापरवाही से वाहन चलाने के लगी टक्कर के कारण मौत हो गई। जिसका हमीरवास थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि संदीप कुमार पुत्र लीलुराम मेघवाल निवासी नीमां ने पुलिस थाना हमीरवास में इस आरोप की रिपोर्ट पेश की है कि 21 सितम्बर की शाम को उसका चाचा भादरराम, उसकी चाची सीता देवी बच्चों सहित बैलगाडी लेकर खेत से घर आ रहे थे, जो अपनी सही दिशा में सडक से नीचे चल रहे थे। उसी दौरान पिछे से एक गाडी बेहद तेज स्पीड से आई तथा उक्त गाडी के चालक ने अपनी गाडी को तेज गति एवं लापरवाही से चलाकर सही दिशा में चल रही उसके चाचा-चाची की बैलगाडी को टक्कर मार दी। जिससे बैलगाडी भी टुट गई तथा उसके चाचा-चाची एवं बच्चों के भी गंभीर चोटें आई।

घटना के बाद उसने अपनी चाची को राजगढ रैफरल अस्पताल में पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी चाची सीतादेवी 36 साल को मृत घोषित कर दिया। हमीरवास थाना पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

125 बीघा से अतिक्रमण हटा तो जयसमंद बांध में आया पानी

अतिक्रमण हटाने के बाद अलवर के जयसमंद बांध में पानी आना शुरू हो गया।

अलवर, (निसं)। दो दिन की बारिश के बाद शुक्रवार सुबह अलवर से लगते जयसमंद बांध में पानी की आवक हुई है। कुछ दिन पहले बांध की करीब 125 बीघा जमीन से प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया था। उसके बाद अच्छी बारिश हुई तो बांध की ओर पानी आया।

जैसे ही रूपारेल नदी में पानी की आवक हुई। पानी बांध तक पहुंचा है। पहले अतिक्रमण के कारण बांध तक पानी नहीं आ पाता था। अलवर कलेक्टर खुद बांध की बाधाओं को हटाने के कार्यों की मॉनिटरिंग करने में लगे हैं ताकि यह सुखद तस्वीर आगे भी बनी रहे। अलवर कलेक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने 31 जुलाई को जयसमंद बांध का मौका देखा था। इसके बाद तहसीलदार व टीम ने बांध के अतिक्रमण को चिह्नित किया। इसके बाद सितंबर माह में ही जयसमंद बांध से अतिक्रमण हटाया। करीब 125 बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया। अलवर में चार साल पहले अच्छी बारिश के बाद जयसमंद बांध पानी से भर गया था लेकिन, कुछ दिन बाद बांध खाली भी हो गया था। असल में बांध के आस-पास बहुत अधिक संख्या में बोरवेल हैं। इस कारण बांध का पानी जमीन में चला गया। जानकारों का मानना है कि बांध में लगातार पानी आने पर बांध में पानी का रुकाव होगा।

अलवर यूआईटी जल्दी जयसमंद के सौंदर्यीकरण पर 75 लाख रुपए खर्च करेगी। यह राशि यूआईटी ने मंजूर कर दी है। जल्दी टेंडर जारी कर विकास के कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके पीछे प्रशासन का मकसद है पर्यटन को बढ़ावा देना।

ऑस्ट्रेलिया में एक कैदी, विलियम बकली जेल से भागा और उसके बाद उसने अपना लगभग सारा जीवन समुद्र के किनारे एक गुफा में बिताया। जेल से भागने और उसके बाद ज़िंदा रहने की उसकी कहानी रोचक है। बकली पर, जानते बूझते चोरी के कपड़े का थान लेने का आरोप था। हालांकि उसका कहना था कि, वह तो केवल एक महिला के लिए कपड़ा ले जा रहा था, उसे नहीं पता था कि वो चोरी का है। फिर भी उसे 14 साल कैद की सजा दी गई और जेल भेज दिया गया। एच.एम.एस. कैलकटा जहाज से उसे सलिवन्स खाड़ी में सोरैन्टो कॉलोनी ले जाया गया। सन् 1803 में जब उसे पता चला कि उसे टैस्मेनिया भेजा जाएगा तो वह जेल से भाग निकला और स्थानीय वादरॉँग समुदाय के साथ रहने लगा। कहा जाता है कि इस दौरान वो एक गुफा में ही रहा। आज इस गुफा को बकली'ज़ केव (बकली की गुफा) कहते हैं। बत्तीस साल बाद बकली बैलारीन प्रायद्वीप के सेंट लिओनाड्र्स के पास जॉन बैटमैन के शिविर में आया। उसके शरीर पर उसके नाम के पहले अक्षर, ''डब्ल्यु.बी.'' गुदे हुए थे जिससे पुष्टि हुई कि वो विलियम बकली है जो 1803 में जेल से भाग गया था और जिसे मृत मान लिया गया था। बैटमैन ने अपना कैम्प सेंट लियोनाड्र्स से मैलबर्न शिफ्ट कर लिया। बकली को भी बाद में माफी मिल गई। उसने दो साल तक श्वोतों और स्थानीय अबॉरिजिनल्स (मूल निवासियों) के बीच मध्यस्थता का काम किया। पर उसकी निष्टा बंटी हुई थी और दोनों ही पक्ष उस पर भरोसा नहीं करते थे। यहां से मोहभंग होने के बाद वह टैस्मैनिया चला गया। जहां उसने नौकरी की और शादी की। सन् 186 में 76 वर्ष की आयु में उसकी मौत हो गई। बकली के फरार होने की कहानी आज भी ऑस्ट्रेलिया में सुनी -सुनाई जाती है और इसके आधार पर एक कहावत भी है, ''बकली'ज़ चांस''।

'सत्तर के दशक जैसी बड़ी मंदी एक बार फिर आयेगी'

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री नूरील रूबीनी ने 2023 में आर्थिक मंदी की आशंका जाहिर की

- **नूरील रूबीनी ने ही सबसे पहले कड़े शब्दों में 2008 की मंदी की आशंका जहिर की थी।**
- **नूरील रूबीनी का मानना है कि, अमेरिका और वैश्विक स्तर पर मंदी की शुरुआत इस साल के अंत में होगी, जो 2023 के आखिर तक चल सकती है। यह एक लंबा वक्त होगा, इस दौरान दुनियाभर में इकॉनमी तबाही के मंजर देखे जाएंगे।**
- **नूरील रूबीनी का मानना है कि, बड़े पैमाने पर ऋण संकट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि, यह एक छोटी मंदी नहीं होने वाली है। यह गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी।**

वॉशिंगटन, 23 सितम्बर। अमेरिका समेत दुनिया भर में मंदी का सबसे लंबा और बुरा दौर आने वाला है। ये आशंका अर्थशास्त्री नूरील रूबिनी को है। ये वही अर्थशास्त्री हैं, जिन्होंने साल 2008 के आर्थिक संकट की सही भविष्यवाणी की थी। इस मंदी के बाद दुनिया भर के शेयर बाजार क्रैश हो गए थे और बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने लगी थीं। अब एक बार फिर नूरील रूबिनी ने मंदी की आहट पहचान ली है।

नूरील रूबिनी का मानना है कि अमेरिका और वैश्विक स्तर पर मंदी की शुरुआत इस साल के अंत में होगी, जो 2023 के आखिर तक चल सकती है। यह एक लंबा वक्त होगा, इस दौरान दुनियाभर की इकोनॉमी तबाही के मंजर देख सकती है।

महंगाई को कंट्रोल करने के लिए अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व की ओर से लगातार ब्याज दरें बढ़ाई जा रही हैं। इस पर नूरील रूबिनी ने कहा कि ऐसा लगता है फेड रिजर्व के बाद दूसरा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि, बिना हार्ड लैण्डिंग के 20 मुद्रास्फीति दर प्राप्त करना फेडरल रिजर्व के लिए मिशन इम्पॉसिबल लगता है। रूबिनी को उम्मीद है कि, फेड रिजर्व नवंबर और दिसंबर में लगातार ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी करने वाला है। रूबिनी को आशंका है कि कई जोंबी संस्थान, बैंक, कॉरपोरेट, शैडो बैंकों का वजूद खत्म हो सकता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया मंदी की चपेट में है तो सरकारों से राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारें पहले से ही अधिक कर्ज में चल रही हैं। रूबिनी इस संकट को 1970 के दशक के हालात की तरह देखते हैं। उनका मानना है कि बड़े पैमाने पर ऋण संकट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक छोटी मंदी नहीं होने वाली है। यह गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी।

निवेशकों के लिए सलाह रूबिनी ने निवेशकों को भी सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आपको इक्विटी पर अब ढील देने की जरूरत है।

आपके पास अधिक नकदी होनी चाहिए। वह लंबी अवधि के बॉन्ड से दूर रहने और शॉर्ट टर्म ट्रेजरी जैसे इन्फ्लेशन इंडेक्स बॉन्ड में निवेश की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि नूरील रूबिनी ने 2007-2008 में आर्थिक मंदी को लेकर सटीक भविष्यवाणी की थी। इस वजह से उन्हें डॉक्टर डूम का नाम दिया गया था।

सचिन पायलट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं कि आने वाले दिनों में राजस्थान की कमान किसके हाथ में होगी। ऐसे में सभी विधायकों के राजनीतिक स्वर बदलने लगे हैं, जिनमें अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक बाबूलाल नागर भी शामिल हैं, जिन्होंने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि वह तो खुद राजेश पायलट के कट्टर समर्थक रहे हैं। ऐसे में संकेतों से समझा जा सकता है कि कांग्रेस आलाकमान का इशारा किस ओर है।

दूसरी ओर जयपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को सरकारी निवास 8 सिविल लाइन पर बुलाया। इस दौरान बहुत से मंत्री मुख्यमंत्री से मुलाकात करने गए, लेकिन बताया जाता है कि 7 - 8 मंत्री मुख्यमंत्री निवास नहीं पहुंचे। वहीं कुछ मंत्री सचिन पायलट से मिलने उनके सरकारी निवास भी पहुंचे। ऐसे में राजस्थान के तमाम राजनीतिक समीकरण बदलते दिख रहे हैं, जिसमें कि मंत्री और विधायकों का रुख भी बदलता नजर आ रहा है और वह अब बजाए और कहीं जाने की सीधे सचिन पायलट से मिलने उनके निवास पर पहुंच रहे हैं। वही बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहले जहां कोच्चि में राहुल गांधी से मुलाकात करने के बाद में दिल्ली जाकर सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी से एक साथ मुलाकात करने वाले थे, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा में 1 दिन के विश्राम के दौरान राहुल गांधी के दिल्ली आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली जाने के बजाए शिर्डी में साईं बाबा के दर्शन करने के बाद में सीधे जयपुर लौट आए। यहां आकर गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों से मुलाकात की है।

सौम्या गुर्जर को सुप्रीम कोर्ट से दो दिन की राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि, न्यायिक रिपोर्ट के आधार पर दो दिन बाद कार्यवाही की जा सकती है

- **सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव के साथ मारपीट व अभद्रता के मामले में ये निर्देश दिए हैं।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने एक फरवरी 2022 को आदेश जारी कर न्यायिक जांच की रिपोर्ट आने तक निलम्बन की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी।**

जयपुर, 23 सितंबर (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम ग्रेटर के तत्कालीन कमिश्नर यज्ञ मित्र सिंह देव के साथ अभद्रता और मारपीट से जुड़े मामले में ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर को 2 दिन की राहत दी है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि, वो न्यायिक जाँच की रिपोर्ट के आधार पर 2 दिन बाद सौम्या गुर्जर के खिलाफ कार्रवाई करने को स्वतंत्र है।

जस्टिस अजय ओक और जस्टिस संजय किशन कौल की खंडपीठ ने यह आदेश सौम्या गुर्जर की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि, न्यायिक जांच रिपोर्ट में सौम्या गुर्जर को दोषी मान लिया गया है। ऐसे में स्पैशल लीव पैटिशन (एस.एल.पी.) को खारिज किया जाए।

गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने एक फरवरी 2022 को आदेश जारी कर, न्यायिक जांच कार्रवाई का नतीजा आने तक सौम्या गुर्जर के निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश के बाद सौम्या ने वापस मेयर का पद संभाला था। दस अगस्त को न्यायिक जांच में, ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर, यज्ञिमत्र सिंह देव के साथ मारपीट व अभद्रता, मामले की न्यायिक जांच में ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर व तीन पार्षदों, अजय सिंह चौहान, शंकर शर्मा व पारस जैन को नगर पालिका अधिनियम की धारा 39(1) (डी) सहित अन्य प्रावधानों के तहत, दुराचरण, कर्तव्यों के पालन में लापरवाही बरतने व अभद्र भाषा के आरोप में दोषी माना गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की थी।

श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट आदेश रद्द कर दिया और आर.सी.ए. के चुनावों पर रोक लगाने से इंकार कर दिया

- **सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आर.सी.ए. ने तीनों जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता बहाल कर दी और अब तीनों जिला संघ आर.सी.ए. की आगामी ए.जी.एम. में शामिल होंगे।**

जयपुर, 23 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों को संबद्धता मामले में राहत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट आदेश के बाद इन तीनों जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आर.सी.ए.) ने न केवल बहाल कर दिया है, बल्कि आर.सी.ए. की आगामी एजीएम में भी तीनों संघ हिस्सा लेंगे। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द करते हुए मामले को एकलपीठ के पास सुनवाई के लिए भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एकलपीठ को कहा है कि वह जल्द से जल्द मामले की सुनवाई पूरी करे। वहीं अदालत ने आर.सी.ए. के चुनावों पर भी रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

सुनवाई के दौरान श्रीगंगानगर व अन्य जिला क्रिकेट संघ ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि आर.सी.ए. के चुनाव होने वाले हैं और इसकी आपत्ति लोकपाल के समक्ष होती है, लेकिन लोकपाल हाईकोर्ट के रिटायर जज हैं। जबकि नियमानुसार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज या हाईकोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश ही लोकपाल नियुक्त हो सकते हैं। ऐसे में मौजूदा लोकपाल की नियुक्ति गलत है तो फिर आपत्ति किसके समक्ष पेश करें।

इसलिए आर.सी.ए. के चुनाव पर रोक लगाई जाए। जवाब में आर.सी.ए. ने कहा कि उन्होंने तीनों जिला क्रिकेट संघों को पहले से ही नोटिस भेजकर एजीएम के लिए आमंत्रित कर रखा है और उनकी संबद्धता को भी बहाल कर दिया है। ऐसे में अदालत द्वारा आर.सी.ए. के चुनावों पर रोक नहीं लगाई जाए। इस पर क्रिकेट संघों की ओर से लोकपाल की नियुक्ति गलत होने व मौजूदा लोकपाल को हटाने के लिए कहा, लेकिन अदालत ने कहा कि यह मुद्दा हाईकोर्ट में लंबित है और इसमें वे दखल नहीं देना चाहते। गौरतलब है कि आर.सी.ए. ने पिछले दिनों श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को निरस्त कर दिया था।

इसे हाईकोर्ट में चुनौती देने पर एकलपीठ ने नागौर व श्रीगंगानगर क्रिकेट संघ की संबद्धता रद्द करने पर रोक लगा दी थी, लेकिन खंडपीठ ने लोकपाल को इस मामले में निर्णय लेने की छूट दे दी थी। खंडपीठ के आदेश को जिला क्रिकेट संघों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

ब्रिटेन और भारत में फ्री ट्रेड एग्रिमैंट डील क्यों फाइनल नहीं हो पा रही?

- **इस डील के मामले में दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर की पाँच दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक क्रियान्विति नहीं हो पाई है।**

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने ब्रिटेन की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) पर हस्ताक्षर होने के आसार हैं। दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रिमैंट (एफ.टी.ए.) को लेकर पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। ज्यादातर बातों पर सहमित बन गई है और बचे हुए कुछ मामलों को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। माना जा रहा है कि दिवाली तक सहमति अपने अंतिम चरण में होगी, जो कि 24 अक्टूबर को सेलिब्रेट की जानी है।

मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया, भारत और ब्रिटेन को विश्वास है कि दिवाली से एफ.टी.ए. पर सहमति बन जाएगी। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में व्यापार मंत्रियों की ओर से इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पी.एम. मोदी के ब्रिटेन दौरे की जानकारी अक्टूबर के पहले हफ्ते में सार्वजनिक की जा सकती है। यह यात्रा दिवाली के आसपास ही होने के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने हाल ही में कहा था कि दिवाली का त्योहार मनाने का सबसे अच्छा तरीका एफ.टी.ए. को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच एफ.टी.ए. समझौता होने से न सिर्फ आर्थिक वृद्धि को रफ्तार मिलेगी, बल्कि रोजगार के भी नए अवसर पैदा होंगे।

इस व्यापार समझौते पर दिवाली के त्योहार तक हस्ताक्षर हो जाने की काफी उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन ने इस समझौते को दिवाली तक पूरा करने की जो समय सीमा तय की हुई है, वह एक शुभ तिथि साबित होगी।

उद्योग व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव राजेंद्र रत्नू ने कहा कि दोनों ही देशों के नेता इस व्यापार समझौते को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ हैं।

इस समझौते से कपड़ा, चमड़ा, आभूषण व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद जैसे श्रम-बाहुल्य क्षेत्रों में भारत के निर्यात को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच अधिकांश उत्पादों और सेवाओं का व्यापार लगभग नि:शुल्क हो जाएगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए वह जल्दी ही अपना नामांकन पत्र भरेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री पद से पहले इस्तीफा देने की जरुरत नहीं है क्योंकि राहुल गांधी द्वारा उदयपुर संकल्प में व्यक्त किया गया ''एक व्यक्ति एक पद'' का सिद्धांत चुनाव जीतने के बाद ही अस्तित्व में आता है।

गहलोत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गांधी परिवार उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री के रुप में नहीं थोप सकता क्योंकि अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए शनिवार से जैसे ही नामांकन भरना शुरु होगा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के द्वारा अपनी पावर का इस्तेमाल करना बंद हो जाएगा और यह निर्णय उनका स्थान लेने वाले अगले कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा ही लिया जाएगा।

उन्होंने यह भी संकेत दिए कि पार्टी के नए अध्यक्ष के रुप में वह राजस्थान कांग्रेस के विधायकों को ही यह निर्णय लेने देंगे कि वे किस नेता को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और यदि विधायक पार्टी अध्यक्ष के नाते उन्हें यह अधिकार देते हैं कि वे किसी को मनोनीत करें तो इसके लिए किसी को मनोनीत कर देंगे क्योंकि यह कांग्रेस की बरसों पुरानी परम्परा रही है।

रूस के नागरिकों में देश छोड़ने की अफरातफरी मची

रूस के लोग कह रहे हैं कि, हमें बेवजह के युद्ध में क्यों धकेला जा रहा है

मॉस्को, 23 सितंबर (वार्ता)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में लड़ने के लिए रूस से सैनिकों की आंशिक लामबंदी की घोषणा किये जाने के बाद से घबराये नागरिकों के देश छोड़कर जाने की होड़ सी लग गयी है।

बीबीसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। दूसरी ओर क्रेमिलन ने उम्रदराज लोगों के लड़ाई में भेजे जाने के डर से देश छोड़कर भागने की रिपोर्टों को अतिश्योक्तिपूर्ण बताया है, लेकिन जॉर्जिया की सीमा पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा सकती हैं जिसमें जंग से बचकर भागने की कोशिश कर रहे लोग शामिल हैं। कुछ लोग तो सीमा पर वाहनों की लंबी कतारों से बचने और पैदल ही सीमा पार करने पर लगी पाबंदी को देखते हुए साइकिलों पर ही सवार होकर सीमा पार करने की कोशिश में लगे हैं।

ऐसे ही एक व्यक्ति ने बीबीसी को नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर बताया कि वह गुरूवार सुबह नौ बजे से सीमा पार करने के इंतजार में था और देर रात वह सीमा पार करने में कामयाब भी रहा। एक अन्य व्यक्ति ने भी बताया कि उसने सीमा पार करने के लिए 12 घंटे का इंतजार किया।

प्रणय सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (एस.ई.बी.आई.) को यह सूचना दे दी है कि वे एस.ए.टी. के 20 जुलाई के आदेश के खिलाफ, सर्वोच्च न्यायालय में सिविल अपील दायर कर रहे हैं।

वस्तुतः एस.ए.टी. ने सेबी द्वारा किये गये 25 करोड़ रू. के जुर्माने को कम करके 5 करोड़ रू. कर दिया था।

रॉय दम्पति, जिन्होंने कुल मिलाकर 2000 करोड़ रू. का क्लेम किया है, उस समय से संकट में हैं, जब से उद्योगपति गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने एन.डी.टी.वी. के शत्रुतापूर्ण अधिग्रहण के लिए बोली लगाई हैं। अडानी ग्रुप ने एन.डी.टी.वी. के शेयर हासिल कर लिये हैं तथा 26 प्रतिशत शेयर खरीदने की खुली पेशकश की घोषणा कर दी है।

उद्धव ठाकरे की बॉम्बे हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट को तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने शिंदे गुट के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि वह याचिका पर तब तक कोई निर्णय ना करे जब तक कि पार्टी पर दावे के विवाद का निस्तारण नहीं हो जाता।

शिंदे गुट के दादर विधायक सदा सरवंकर ने तर्क दिया था कि ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के याचिकाकर्ता इस याचिका के बहाने पार्टी पर दावा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने यह कहते हुए निर्णय का स्वागत किया कि न्यायपालिका में उसकी आस्था सही साबित हुई है। पार्टी प्रवक्ता मनीष कायान्दे ने कहा कि इस वर्ष की रैली भव्य होगी।

उन्होंने दावे से कहा कि ब्रहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) पर कुछ दबाव रहा होगा, जिसने अनुमति देने से इन्कार कर दिया था।

सेना के सचिव विनायक राउत ने कहा, ''न्यायपालिका में हमारा भरोसा पुख्ता एवं प्रमाणित हो गया है। पिछले कई सीलों से, दशहरा रैली ''शिव तीर्थ'' (सेना शिवाजी पार्क को इसी नाम से पुकाराती है) पर होती आ रही है लेकिन इस बार शिंदे गुट तथा भाजपा के जरिये इसमें रोड़े अटकाने् की कोशिश की गई। लेकिन, अदालत ने इसे खारिज कर दिया।'' शिवसेना 1966 से ही हर साल दशहरा पर रैली आयोजित करती आ रही है। इस साल यह आयोजन इसलिये ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि सेना अब दो हिस्सों में बंट गई है तथा इसके अलावा, 2020 एवं 2021 में कोविड महामारी के कारण रैली नहीं हो पाई थी।

उद्धव ठाकरे ने अगस्त में शिंदे पर यह कहते हुये कटाक्ष किया था कि पार्टी को पूरा भरोसा नहीं है कि उसे इस आयोजन की अनुमति मिल जायेगी। ठाकरे ने यहां तक भी कह दिया था कि चाहे जो भी हो, वे शिवाजी पार्क में दशहरा रैली करेंगे।

शिवसेना की दशहरा रैली मुम्बई के शिवाजी पार्क में होगी। पूरे राज्य के शिव सैनिक इस रैली में पहुंचेंगे। ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा था, ''हम इन तकनीकी चीजों में नहीं जाते कि सरकार इसकी अनुमति देगी या नहीं। हम रैली जरुर आयोजित करेंगे। हमें इस चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अन्य लोग रैलियों का आयोजन करेंगे या नहीं। शिवसेना विश्वासघातियों के दम पर आगे नहीं बढ़ी, शिव सैनिकों के रक्त से आगे बढ़ी है।'' उम्मीद की जा रही है कि 5 अक्टूबर को होने वाली रैली में, वे महाराष्ट्र के विकास को लेकर लम्बा-चौड़ा भाषण देंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले विरोधी खेमे को बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में रैली के लिये अनुमति मिल चुकी है। एक धीर गंभीर राजनैतिक पर्यवेक्षक ने कहा कि उच्च न्यायालय की अनुमति ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना के इस दावे को और मजबूत करेगी, कि वह बाला साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित राजनैतिक दल के वारिस हैं तथा उस पार्टी के परम्परागत अनुयायियों में निष्ठा पैदा करेगी, जो पार्टी देश की वित्तीय राजधानी में एक बड़ा राजनैतिक घटक रही है।

गहलोत तब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपेक्षाकृत युवा एवं ज्यादा गतिशील नेतृत्व लाना ही होगा, लेकिन काम में गहलोत एक बड़ा अवरोध सिद्ध हुये हैं। सूत्रों का कहना है कि वे अन्त तक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने की कोशिश करेंगे, लेकिन इस बार गहलोत का सामना राहुल गांधी के उस उनम्य संकल्प से है तथा राहुल अब गहलोत की किसी भी बकवास को बर्दाश्त करने के मूड़ में दिखाई नहीं दे रहे।

नविका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस कृष्ण मुरारी की बैंच ने नविका कुमार को गत 8 अगस्त को दिया गया प्रोटेक्शन भी बढ़ा दिया। बैंच ने व्यवस्था दी कि उनके खिलाफ आठ हफ्तों तक कोई प्रतिरोधी कार्रवाई नहीं की जाएगी, ताकि वे इस अंतरिम अवधि के दौरान कोई विधिक उपचार कर सकें।

बैंच ने उन्हें यह छूट भी दी कि वह मुख्य एफ.आई.आर. को खारिज करवाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में अपील कर सकती हैं। दिल्ली पुलिस की इन्टैलीजेंस फ्यूजन एण्ड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन्स (आई.एफ.एस.ओ.) यूनिट इस मामले की जांच करेगी।

अपने खिलाफ शुरू की गई कार्यवाहियों को रद्द करवाने के लिए नविका कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से छूट प्रदान कर एक अंतरिम आदेश देते हुए केन्द्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी किए थे।

नविका कुमार के टी.वी. शो की एक डिबेट के दौरान पैगम्बर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा की टिप्पणियों का देशभर में विरोध हुआ था और कई खाड़ी देशों ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

वो दिन गये जब

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे दौर में, जब जुबान फिसलने को भी पकड़ लिया जाता हो, तो सोचिये कि उस समय क्या हो सकता है, जब बहुत बड़े सार्वजनिक पद पर बैठा कोई व्यक्ति ऐसी टिप्पणियाँ करते हुये देख लिया जाये। जैसाकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ हुआ। नड्डा की इस टिप्पणी, कि मदुरै एम्स का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, को लेकर उन पर चारों तरफ से हमले होने लगे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने गुरुवार मदुरै में उद्योगपतियों की एक मीटिंग में बोलते हुये, यह दावा कर दिया कि मदुरै एम्स का निर्माण कार्य 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम्स के लिये एम.बी.बी.एस. की सीटें बढ़ाकर 250 कर दी गई है, जब पूर्व स्वीकृत सीटें केवल 100 थीं।

जब यह बयान तथ्य-जाँचकर्ताओं की जानकारी में आया तो वे तुरन्त उस स्थान पर पहुँचे, जहाँ एम्स की बिल्डिंग बन रही थी। शुक्रवार को, पड़ोस की ही विरुधुनगर सीट के कांग्रेस सांसद एम.बी. मणिक्कम टैगोर तथा मदुरै सांसद वैंकटेशम (सी.पी.एम.) ने जब संबंधित स्थल पर एम्स का भवन ढूढ़ा तो पता चला कि उस जगह पर तो एक ईंट तक नहीं थी।

कांग्रेस सांसद ने व्यंग्य शैली में ट्वीट किया, ''मदुरै एम्स (का निर्माण कार्य) 95 प्रतिशत पूरा कराने के लिये धन्यवाद। मैंने तथा मदुरै सांसद ने थोपुर साइट में एक घंटे तक भवन को ढूढ़ा लेकिन कुछ नहीं मिला लगता है। एम्स की इमारत किसी ने चुरा ली है। .... सादर।''

इसके बाद, एक और ट्वीट में, कांग्रेस सांसद ने एक वीडिया साझा किया, जिसमें उन्होंने जानना चाहा कि भाजपा अध्यक्ष तथा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा इस प्रकार के मुद्दे पर आखिर झूठ कैसे बोल सके। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''वे (भाजपा) इसी तरीके से तमिलनाडु तथा मदुरै की जनता के साथ धोखा कर रहे हैं तथा तमिलनाडु इसे कभी नहीं भूलेगा।''

राजनैतिक विश्लेषक सी. रमन ने भी नड्डा की एम्स संबंधी घोषणा पर कटाक्ष करते हुये, ट्वीट किया, ''वाह! .... यह जानकर बड़ी खुशी हुई। लेकिन यह एम्स किस शहर में है, महोदय? मदुरै में तो है नहीं।'' बहुत से लोगों ने ट्विटर के जरिये, प्रस्तावित स्थल से एम्स की इमारत के गायब हो जाने पर घोर आश्चर्य व्यक्त किया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

MARUTI SUZUKI
NEXA
BOLD. INTUITIVE. INTELLIGENT.
Driving the New Age Baleno is pure thrill. It's power packed with hi-tech features that take your driving experience to a whole new level. Get ready to drive the bold side of technology.
CREATE. INSPIRE.
BALENO
Scan the QR code to know how tech goes bold.
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
1st in Segment
360 View Camera
1st in Segment
Head Up Display
22.86cm SmartPlay Pro+
6 Airbags^
In-built Suzuki Connect
NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants
DUAL FRONT AIRBAGS
ABS WITH EBD
PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
COMPLIANT WITH -
FULL FRONTAL IMPACT
FRONTAL OFFSET IMPACT
SIDE IMPACT
Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.
Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE
KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619).
SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
Multiple financiers
Digital Document Upload
Live Loan status
Complete transparency (associated fees & charges)
*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities. Creative Visualization. Black Glass on vehicle is due to lighting effect. ^For details on funcioning of safety features including air bag,, kindly refer to the Owners manual.